श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 22 वर्ष, अंक 194, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 12 अगस्त 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

2032 में भी रिपीट होगी हमारी सरकार: योगी

2024 ही नहीं, 2027 में भी हमारी सरकार बनेगी, सीएम योगी ने विधानसभा के मॉनसून सत्र में विपक्ष पर किया करारा हमला

लखनऊ: उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र में सीएम योगी आदित्यनाथ ने नेता विरोधी दल अखिलेश यादव पर चुन-चुनकर हमला बोला। सदन के आखिरी दिन शुक्रवार को सीएम योगी जैसे ही बोलने खड़े हुए उन्होंने मशहूर शायर दुष्यंत कुमार के शेर, तुलसीदास की चौपाई और साहित्यकार रामकुमार वर्मा की पंक्तियों के माध्यम से नेता विरोधी दल पर करारे प्रहार किए। सबसे करारा प्रहार उन्होंने यह कहकर किया की 2024 में जीत का फैसला तो गुरुवार को ही लोकसभा में हो गया। यूपी में भी अभी 2027 और 2032 में यही सरकार रिपीट होने वाली है। सीएम योगी विधान सभा में बाढ़ और सूखा पर हुई चर्चा पर विपक्षी दलों के नेताओं को जवाब दे रहे थे।

चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए लोगों को जमीनी हकीकत ही नहीं पताः सीएम योगी ने दुष्यंत कुमार का शेर पढ़ते हुए कहा- 'तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं, फिर भी तुम्हें यकीन नहीं।' सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोग चांदी की चम्मच लेकर पैदा होते हैं। उन्हें जमीनी हकीकत के बारे में कुछ पता नहीं होता है।

वे गांव के लोगों और किसानों की पीड़ा कभी नहीं समझ पाएंगे। तुलसीदास की चौपाई का जिक्र करते हुए सीएम ने अखिलेश को घेरा। उन्होंने कहा कि तुलसीदास जी ने कहा भी है कि 'समरथ को नहीं दोष गोसाईं', ऐसे ही लोगों पर बातें अक्षरशः ठीक बैठती हैं, क्योंकि जो लोग जन्म से चांदी के चम्मच से खाने के आदी हैं वो गरीब-किसान-दलित की समस्या और उसकी पीड़ा को क्या समझेंगे। उन्होंने अति पिछड़ों और पिछड़ों के साथ क्या व्यवहार किया था, ये पूरा देश जानता है।

सांड़ हमारे लिए पशु धनः सीएम योगी ने आगे कहा कि महान किसान नेता और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि देश की प्रगति का मार्ग इस देश के गांव, गलियों, खेत और खलिहानों से होकर जाता है। चौधरी चरण सिंह की बातों को वास्तव में समाजवादी पार्टी ने अपने कालखंड में थोड़ा भी ध्यान में रखा होता तो उत्तर प्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक किसानों ने उनके कालखंड में आत्महत्या नहीं की होती। सीएम योगी ने कहा कि मुझे महान साहित्यकार राम कुमार वर्मा जी की पंक्तियां याद आती हैं जिन्हें ध्यान में रखकर डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। यह देश के अन्नदाता किसानों के लिए समर्पित पंक्तियां थीं, 'हे ग्रामदेवता नमस्कार, सोने चांदी से नहीं किंतु तुमने मिट्टी से किया प्यार, हे ग्राम देवता नमस्कार।' सोना-चांदी से प्यार करने वाले लोग अन्नदाता किसान के महत्व को नहीं समझेंगे। उसकी पीड़ा को भी नहीं समझ पाएंगे।

कांवड़यात्रा पर पुष्पवर्षा से भी नेता प्रतिपक्ष को है परेशानी

कांवड़ यात्रा पर अखिलेश के बयान पर पलटवार करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांवड़ यात्रा में पुष्पवर्षा से नेता प्रतिपक्ष को परेशानी होती है। आपने तो कांवड़ यात्रा को बैन कर दिया था। हमारी सरकार किसी के साथ भेदभाव नहीं करती। केवल संवाद बनाती है, तो सड़कों पर नमाज नहीं होती। जनमाष्टमी पर भी आप लोगों ने पुलिस लाइन में आयोजन पर रोक लगा दिया था। वोट बैंक प्रभावित होने का डर था। मैंने आते ही कहा कि हर थाने, हर बैरक और हर जेल में जनमाष्टमी का आयोजन धूमधाम से होगा। आज चार करोड़ लोग हरिद्वार और गाजियाबाद के बीच कांवड़ लेकर चलते हैं। मुझे उनपर पुष्पवर्षा का अवसर मिला। वहां तो सभी जाति के लोग आते हैं। मगर नेता प्रतिपक्ष को पुष्पवर्षा से परेशानी है। पर्व और त्योहार शांतिपूर्वक मनाए जा रहे हैं। किसी समुदाय को दिक्कत नहीं है।

सरकार ने किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया: अखिलेश

लखनऊ: उत्तर प्रदेश विधानसभा मानसून सत्र के दौरान शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार के कामकाज पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। साथ ही जानवरों से मारे गए लोगों और कावड़ियों, ताजिया उठाने वाले जिन लोगों की दुर्घटना में जान गई, सरकार उनके परिवारों को एक करोड़ रुपये की मदद करे। अखिलेश यादव ने कहा कि साढ़े छह साल सरकार के हो गए। गोरखपुर कोई सड़क है जहां जलभराव न हुआ हो। क्या सरकार ने मक्का की खरीद की। क्या सरकार ने किसानों से आलू खरीदा है। गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं हुआ है। सरकार कहती है कि आम लंदन एक्सपोर्ट किया जा रहा है। आम का एक्सपोर्ट तो पहले भी किया जाता था। सरकार बताए कि चावल कितना एक्सपोर्ट हुआ। टमाटर की कीमत इतनी बड़ी कि आपके चेहरे लाल हो गए। डेरी सेक्टर के लिये अपने क्या किया यह सेक्टर किसानों को मजबूत कर सकती है। काऊ मिल्क प्लांट बंद होने की कगार पर है। यह सरकार डेरी को निजी हाथों में बेचने की तैयारी कर रहे हैं। किसान का कैसे भला होगा। उन्होंने कहा कि कभी सांड़, गुलदार, कुत्तों से, कभी किसी जानवर से लोगों की जान जा रही हैं। यह सरकार किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। बिजनौर, बलरामपुर और श्रावस्ती जैसे जिलों में किसानों की जान चली गयी। वे खेती नहीं कर पा रहे हैं। सपा सरकार में यदि किसानों की जान गई तो बीमा योजना के अलावा मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-15 लाख रुपये दिए गए। सरकार को कम से कम उतना पैसा तो देना ही चाहिए। अखिलेश ने कहा कि इस सरकार का सबसे प्रिय जानवर सांड़ है। तमाम सफारी बना रहे हैं। सरकार को सांड़ सफारी बनाना चाहिए। अखिलेश ने सांडों से लोगों की जान का भी उल्लेख किया।

मणिपुर में शांति बहाली के लिए सक्रिय हुई भारतीय सेना

नई दिल्ली: मणिपुर में शांति बहाली के लिए भारतीय सेना सक्रिय हो गई है। पूर्वी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कालिता ने दो दिवसीय दौरा करके शांति बहाल के लिए वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह के साथ भी बातचीत की। भारतीय सेना ने हाल ही में दर्ज हुई एफआईआर पर असम राइफल्स का बचाव करते हुए इसे छवि खराब करने का मनगढ़ंत प्रयास बताया है। पूर्वी सेना के कमांडर

● मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से वर्तमान स्थिति और शांति बहाली के उपायों पर चर्चा की, भारतीय सेना ने हाल ही में दर्ज हुई एफआईआर पर असम राइफल्स का बचाव किया

लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कालिता 09 और 10 अगस्त को मणिपुर की दो दिवसीय यात्रा पर थे। इस दौरान उन्होंने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह के साथ बातचीत की। उन्होंने वर्तमान स्थिति और भविष्य की उन योजनाओं पर चर्चा की, जिससे शांति बहाली के उपाय किये जा सकें। सेना कमांडर ने विष्णुपुर, चुराचांदपुर और मंत्रिपुखरी का दौरा किया और वर्तमान स्थिति पर जानकारी हासिल प्राप्त की। जनरल कालिता ने सिविल सोसायटी संगठनों और प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ भी बातचीत की और राज्य में सामान्य स्थिति लाने में उनकी भूमिका पर जोर दिया। सेना ने एक बयान में कहा है कि मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स को बदनाम करने की मनगढ़ंत कोशिश की है। असम राइफल्स के खिलाफ 5 अगस्त को पुलिस में दर्ज कराई गई एफआईआर पर भारतीय सेना ने असम राइफल्स का बचाव किया है।

डीटीसी बेडे की न्यू ई-बसें बीच राह दम तोड रही हैं

नई दिल्ली: डीटीसी बेडे में गाजे बाजे के साथ ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर राजधानी दिल्ली की करीब 2 करोड आबादी को उत्तम परिवहन सुविधाएं मुहैया कराने का दावा किया गया था। लेकिन आज सभी दावों के विपरीत बसों की कमी से जूझ रहे दिल्लीवालों की मुश्किलें जरूर बढा दी हैं। अंदर के खादिमों के मुताबिक रोज 10 से 15 बसों की बीच सडक पर दम तोडने की शिकायतें मिल रही है। इससे पहले ही सीएनजी बसों में गंभीर समस्याएं खडी हैं।

केंद्र सरकार का मीडिया पर कब्जा: नीतीश

पटना। शहीद दिवस पर शुक्रवार को 11 अगस्त, 1942 को आजादी के मतवाले सात अमर शहीद को सीएम ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि केंद्र सरकार का मीडिया पर कब्जा है। सब जगह घटनाएं घट रही हैं लेकिन उनका कोई बयान नहीं आता है।

नीतीश ने कहा कि वे लोग अपने ढंग से जो अच्छा लगता है उसको बोलते हैं। उनको काम करना चाहिए लेकिन काम नहीं हो रहा है। हाऊस चलता है फिर भी वे लोग चुप रहते हैं। जब अटल बिहारी की सरकार थी तो हर बात का जवाब दिया जाता था। अब केवल एकतरफा बातें छपती हैं। इधर के लोग जो बोलते हैं उनकी बातों को नहीं छापा जाता है। अब उसे देखने की क्या जरूरत है। ऐसे भी हम टीवी देखना बहुत कम कर दिए हैं। सीएम ने कहा कि अपनी बात रखने का विपक्ष को अधिकार है। अब हमलोगों की तरफ बहुत पार्टियां आ गई हैं और एकजुट हो गई हैं। पटना से ही विपक्षी एकता की शुरूआत हुई है। हमलोग सभी पार्टियां मिलजुलकर तय करेंगे कि किस तरह से आगे देश का विकास करना है। इससे उन लोगों को परेशानी हो रही है। वर्ष 2024 में भाजपा बिहार से खत्म हो जाएगी पत्रकारों के इस सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हां, बिल्कुल। इसीलिए वे लोग घबराहट में हैं। हमलोगों की एकजुटता का नतीजा अच्छा निकलेगा। वे लोग केवल प्रचार-प्रसार करते हैं। बिहार में जो भी काम हुआ सब हमलोगों ने किया है। हमलोगों ने विशेष राज्य के दर्जे की मांग की लेकिन क्या हुआ ? यदि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाता तो हमलोग कितना आगे पहुंच जाते। वे लोग बिहार को भूल जाते हैं।

चुनावी हिंदू बनने की कोशिश कर रहे हैं कमलनाथ: नरोत्तम

भोपाल: मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ हिन्दुत्व के रंग में रंगे नजर आ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने गृह नगर छिंदवाड़ा में बागेश्वर धाम के कथावाचक पंडित धीरेन्द्र शास्त्री की कथा कराई थी। अब वे अगले सोमवार यानी 14 अगस्त को महाकाल की सवारी में शामिल होने जा रहे हैं। वह उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल की पूजा-अर्चना करेंगे। प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्म मिश्रा ने तंज कसते हुए कहा है कि कमलनाथ चुनावी हिंदू बनने की कोशिश कर रहे हैं। गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने शुक्रवार को अपने निवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सवाल यह है कि कमलनाथ महाकाल की सवारी में अब क्यों शामिल होंगे? चुनाव है इसलिए। यह मूल प्रश्न है, इसका कांग्रेस में कोई जवाब नहीं दे रहा। महाकाल की सवारी तो आदिकाल से निकल रही है। मेरे पूर्वजों के पहले से निकल रही है। अभी तक क्यों नहीं गए? वह तो मध्यप्रदेश में लंबे समय से सांसद रहे हैं। लंबे समय तक केंद्रीय मंत्री रहे, मुख्यमंत्री रहे तब क्यों नहीं गए? अब इसलिए जा रहे हैं, क्योंकि इनकी कांग्रेस पर संकट है। कांग्रेस को बचाने के लिए अब जो छद्म धर्मनिरपेक्षता वाली राजनीति कर चुनावी हिन्दू बनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। कमलनाथ के एक शायराना अंदाज में किए गए ट्वीट पर भी गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने तंज कसा है।

पीएम मोदी करेंगे 12 अगस्त को सागर के बड़तूमा में संत रविदास जी के मंदिर का शिलान्यास

पीएम का मध्यप्रदेश आगमन सौभाग्य का विषय : शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंत्रि-परिषद की बैठक वंदे-मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री चौहान ने बैठक से पहले अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मध्यप्रदेश आना अत्यंत सौभाग्य का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार, 12 अगस्त को सागर के बड़तूमा में संत रविदास जी के मंदिर का शिलान्यास करेंगे। संत रविदास जी का दिव्य, भव्य और अलौकिक मंदिर बनेगा, जो समरसता का अद्भुत केन्द्र होगा। संत रविदास जी की जयंती पर

सागर में हुए कार्यक्रम में संत रविदास जी के मंदिर निर्माण की मांग आयी थी। मन में यह विचार आया कि विशाल स्वरूप के मंदिर का निर्माण हो। मंदिर निर्माण की प्रक्रिया, आकल्पन और उसका स्वरूप तय हो गया है। भूमि-पूजन के साथ ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। यह अपने आप में अद्भुत प्रोजेक्ट है। संत रविदास जी ने सदैव कर्म को महत्ता दी, अतः प्रोजेक्ट के अंतर्गत ग्लोबल स्किल सेंटर का निर्माण भी किया जाएगा।

अमरकंटक में होगा माँ नर्मदाजी लोक का निर्माण, निचले क्षेत्र में बनेगा सेटेलाइट टाउनः मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि अमरकंटक में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। नर्मदा जी प्रदेश को बिजली-पानी, सिंचाई के लिए जल उपलब्ध करा रही हैं, वे हमारी माँ हैं।

हिमाचल की चम्बा में नदी में समाई पुलिस जवानों की जीप, छह की मौत

शिमला: हिमाचल प्रदेश में मानसून के कहर के बीच सड़क हादसे भी थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। चम्बा जिला के तीसा थाना क्षेत्र में पुलिस जवानों से भरी एक बोलेरो जीप अनियंत्रित होकर खाई में लुढ़कने के बाद सियोल नदी में जा गिरी। चम्बा के पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने बताया कि हादसे का शिकार हुई बोलेरो शुक्रवार सुबह तीसा से बैरागढ़ की तरफ जा रही थी कि तरवाई नामक स्थान पर संतुलन खोने से नदी में जा गिरी। बोलेरो में हिमाचल की पुलिस बटालियन के नौ जवान और दो स्थानीय लोग सवार थे। हादसे का पता लगते ही तीसा पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर राहत व बचाव कार्य शुरू किया। बोलेरो के लुढ़कने पर कुछ लोग छिटक कर बाहर आने से बाल-बाल बच गए। हालांकि, वे गम्भीर रूप से चोटिल हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस दर्दनाक हादसे में वाहन में सवार छह लोगों की मौत हुई है। मृतकों में चालक और पांच पुलिस कर्मी हैं। चार लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती किया गया है। नदी के तेज बहाव में एक लापता है। तीसा पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन में एनडीआरएफ की टीम ने भी सहयोग किया।

'सिर तन से जुदा..' के नारे लगाने वालों पर होगी रासुका की कार्रवाई

भोपाल। रतलाम में पुलिस चौकी के सामने प्रदर्शन कर 'सिर तन से जुदा..' के नारे लगाए जाने की घटना को प्रदेश सरकार ने गंभीरता से लिया है। इस मामले में गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दो-टूक चेतावनी देते हुए कहा है कि ऐसे लोग किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। एफआईआर दर्ज कर ली गई है। अपराधी चिह्नित हो गए हैं। जल्द ही वे पुलिस हिरासत में होंगे और उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) एनएसए तक की कार्रवाई की जाएगी। गृहमंत्री डॉ. मिश्रा शुक्रवार को भोपाल में अपने निवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने

कहा कि ऐसे लोग यह समझ लें कि यह राजस्थान नहीं है और न ही यहां कांग्रेस की सरकार है। ये मध्य प्रदेश है और ऐसे आतंकी नारे लगाने वालों को चौबीस घंटे में पता चल जाएगा। संभल जाएं, नहीं तो क्या-क्या जुदा हो जाएगा, उनको समझ नहीं आएगा। रतलाम में सिर तन से जुदा के नारे लगाने वाले अपराधी चिन्हित हो गए हैं। पुलिस जल्द उन्हें हिरासत में लेकर कड़ी कार्रवाई करेगी। दरअसल, 9 अगस्त को एक युवती ने सोशल मीडिया पर इस्लाम को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट की थी। इसकी खबर फैलने से मुस्लिम समाज के लोगों में रोष फैल गया था। बड़ी संख्या में आक्रोशित लोग बुधवार रात करीब 10 बजे हाट रोड़ स्थित पुलिस चौकी पहुंचे और एफआईआर दर्ज करने की मांग की। कुछ ही देर में वहां भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों ने पोस्ट करने वाली लड़की को गिरफ्तार करने तथा उसका मकान तोड़ने की मांग को लेकर चौकी का घेराव कर दिया।

उत्तराखंड में बारिश से राहत नहीं

15 अगस्त तक के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी

देहरादून: उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में पहाड़ चटकने और भूस्खलन की घटनाएं लोगों पर मुसीबत बन कर टूट रही हैं। मैदानी क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति बनी हुई है। राज्य में 03 राष्ट्रीय और 04 बॉर्डर मार्ग सहित लगभग 205 सड़कें बाधित हैं, जिन्हें खोलने का कार्य जारी है। प्रदेश भर में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर 15 अगस्त तक के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है। मुख्यमंत्री ने सभी

जिलाधिकारियों और आपदा विभाग को अलर्ट पर रहने के निर्देश देते हुए यात्रियों से इन दिनों में यात्रा करने से परहेज करने की अपील की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के कई जिलों में रेड और ऑरेंज अलर्ट की चेतावनी को देखते हुए सभी प्रदेशवासियों और पर्यटकों से अनुरोध किया ।

1600 जवान संभालेंगे सुरक्षा का जिम्मा

चिंतपूर्णी में नवरात्रि मेला 17 अगस्त से

ऊना: छिन्मस्तिका धाम माता श्री चिंतपूर्णी में श्रावण अष्टमी मेले का आयोजन इस वर्ष 17 से 25 अगस्त तक किया जाएगा। मेले के सफल आयोजन की तैयारियों से संबंधित समीक्षा के लिए शुक्रवार को उपायुक्त ऊना राघव शर्मा की अध्यक्षता में चिंतपूर्णी में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ऊना ने बताया कि 17 से 25 अगस्त तक चलने वाले माता श्री चिंतपूर्णी आश्रवण आष्टमी मेले में एडीसी मेला अधिकारी, एसडीएम अंब सहायक मेला अधिकारी जबकि एएसपी पुलिस मेला अधिकारी तथा डीएसपी अंब को सहायक पुलिस मेला अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान मां चिंतपूर्णी का मंदिर चौबीसों घंटे खुला रहेगा और साफ.-सफाई के लिए केवल एक घंटा बंद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान धारा 144 लागू रहेगी तथा किसी भी प्रकार का हथियार ले जाने के अलावा मेले में ढोल नगाड़े, लाउडस्पीकर तथा चिंमटा इत्यादि बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। इस के अतिरिक्त प्लास्टिक व थमोर्कोल के इस्तेमाल पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मालवाहक वाहनों के माध्यम से माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर आने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने बताया कि नियमों की उल्लंघना करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। राघव शर्मा ने बताया कि मेले के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए मेला क्षेत्र को दस सैक्टरों में बांटा गया है। सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त मात्रा में पुलिस व होमगार्ड के जवानों को तैनात किया जाएगा जिसके लिए सरकार से 1600 अतिरिक्त पुलिस तथा होमगार्ड जवानों की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए भारी वाहनों की पार्किंग भरवांई में की जाएगी जबकि छोटे वाहनों की पार्किंग बाबा माई दास सदन में बने पार्किंग स्थल तथा नए बस अड्डे में बने पार्किंग स्थल में की जाएगी। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान डॉग स्क्वायड का प्रबंध भी किया जाएगा। सभी सैक्टरों की निगरानी कंट्रोल रूम से की जाएगी। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुबारकपुर चौक से चिंतपूर्णी तक विभिन्न स्थानों पर 80 अस्थाई शौचालय बनाए जाएंगे। भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए मेला क्षेत्र में जिला बाल संरक्षण अधिकारी की टीमों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम द्वारा अतिरिक्त बसें भी चलाई जाएंगी। मेले के दौरान श्रद्धालुओं को चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाने के लिए विभिन्न स्थानों पर 7 एलोपैथिक तथा 2 आयुर्वेदिक कैंप स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा मेला क्षेत्र में 3 मोबाइल चिकित्सा वाहन भी उपलब्ध रहेंगे। किसी भी आपात अथवा आगजनी इत्यादि की घटना से निपटने के लिए अग्निशमन वाहन तैनात रहेंगें।

खबर संक्षेप

छत के रास्ते घर में घुसकर एक ही रात तीन घरों में चोरी

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के सिताऊकापुरा गांव में गुरुवार की रात राजेन्द्र कनौजिया के घर में अज्ञात चोर पीछे से छत पर चढ़कर घर के अंदर पहुंच गए। जिस कमरे में परिजन सो रहे थे उसकी कुंडी बाहर से बंद कर दिए। दूसरे कमरे में रखा अलमारी व बाकस का ताला तोड़कर उसमें रखी सोने की अंगूठी, छागल, बिछिया, बर्तन व समरसेबल लगवाने के लिए रखा हुआ पच्चीस हजार रुपए नगद चोरों ने पार कर दिया। उसके बाद छत के रास्ते से ही उनके चाचा फूलचंद कनौजिया के घर में घुसकर बर्तन, सोने की अंगूठी, घड़ी व गाड़ी का कागजात आदि सामान उठा ले गए। गांव के ही ननके कनौजिया के यहां से भी एक हजार रुपए नगद गायब कर दिया। घटना से गांव में दहशत का माहौल बना है।

बीएड व बीटीसी मामले में लोगों ने किया सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत

सहसों। सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन बीएड और बीटीसी मामले में दायर याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। मामले में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय किशन काल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने बीएड अभ्यर्थियों को प्राथमिक लेवल से बाहर करते हुए बीटीसी अभ्यर्थियों के पक्ष में अपना जजमेंट सुनाया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापार अनिरुद्ध सिंह पटेल ने कहा कि इस फैसले से बीटीसी यानी कि डीएलएड अभ्यर्थियों को प्राथमिक विद्यालयों में सीधे लाभ मिलेगा उन्होंने कहा कि यह फैसला सभी राज्यों के लिए एक नजीर है।

ससुरालियों ने विवाहिता को मार पीट कर भगाया

मऊआइमा। दहेज में जमीन न मिलने पर विवाहिता को ससुरालियों ने मार पीट कर भगा दिए। विवाहिता के पिता ने थाने में तहरीर दे कर बेटी के पति सहित तीन के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के सकरामऊ गांव निवासी रामसुमेर पुत्र जगन्नाथ ने अपनी पुत्री संजीव देवी की शादी सन 2022में दहियावां होलागढ़ निवासी चेतन गुप्ता पुत्र लल्लन गुप्ता के साथ की थी। संजीव देवी का आरोप है कि शादी के बाद से ससुराली जमीन की मांग कर रहे थे। मांग न पूरी होने पर उसे मार पीट कर भगा दिए। संजीव देवी के पिता रामसुमेर ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर संजीव देवी के पति चेतन गुप्ता, सास अरूणा देवी, ननद स्वाती के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा कराया है।

बिजली, पानी, शिक्षा समेत 21 मांगों को लेकर भाकियू ने निकाली ट्रैक्टर यात्रा

अखंड भारत संदेश

बारा/शंकरगढ़। बिजली, पानी, शिक्षा, रोजगार, खेती-किसानी जैसी 21 समस्याओं को लेकर भाकियू ने ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाली। यमुनापार के बारा और शंकरगढ़ से निकली ट्रैक्टर यात्रा जिला मुख्यालय पहुंची, यहां पत्थर गिरजाघर पर प्रदर्शन के साथ-साथ जिला प्रशासन को अलीटमेटम दिया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ही विचार नहीं किया गया तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। भाकियू (टिकैट गुट) के बारा तहसील अध्यक्ष गगन सिंह की अगुवाई में लगभग दर्जनभर ट्रैक्टरों के साथ किसान जिला तहसील मुख्यालय से जिला मुख्यालय के लिए रवाना हुए। तहसील अध्यक्ष गगन सिंह ने बताया कि पिछले 18 महीने से लगातार जिलाधिकारी से मिलकर के अपनी समस्याओं के बारे में बताया जा रहा है, लेकिन हर बार आश्वासन ही मिल रहा है। शुक्रवार को जिलाध्यक्ष के आह्वान पर शंकरगढ़ से दस ट्रैक्टर के साथ भाकियू के कार्यकर्ता और पदाधिकारी इस तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। किसानों की 21 प्रमुख मांगों रूप से बिजली कर्मियों द्वारा अवैध वसूली, पीपीजीसीएल से प्रभावित गांवों के किसानों के बच्चों को निशुल्क शिक्षा, पावर प्लांट की स्थापना के समय किए वादे के अनुसार प्रभावित गांवों का विकास करने, नहरों में टेल तक पानी देने की मांग शामिल है। जिला मुख्यालय पर भारतीय किसान यूनियन के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह और जिलाध्यक्ष लल्लू प्रसाद पटेल की अगुआई में ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा झलवा चौराहे से पत्थर गिरजाघर (धरना स्थल) पहुंची। किसानों की मांग है कि मांगों को तत्काल प्रशासन सुने और उचित कार्यवाही करे।

किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मांग नहीं पूरी हुई तो ये आंदोलन और बड़ा होगा। भारतीय किसान यूनियन के जिला महामंत्री सुरेंद्र सिंह ने कहा कि आज यदि जिलाधिकारी द्वारा हमारी मांगों पर तत्काल सुनवाई नहीं की गई तो हम लोग जिलाध्यक्ष के आदेशानुसार अगला कदम उठाएंगे। इस प्रदर्शन में राजू सिंह ब्लाक अध्यक्ष, विपिन कुमार सिंह, शिवशेवक सिंह, मुन्ना सिंह, अवधराज सिंह यमुनापार अध्यक्ष, हंसराज, विपिन सिंह आदि लोग थे।

मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के तहत निकाली गई तिरंगा यात्रा

अखंड भारत संदेश

सिरसा। मेजा क्षेत्र के दुर्गावती इन्टरनेशनल स्कूल प्रयागराज सहित सभी शाखाओं में स्वराज सप्ताह के तृतीय दिवस पर स्वराज के सोच के रूप में मनाया गया। जिसमें स्वराज प्राप्ति से लेकर अभी तक स्वराज प्राप्ति के लिए विभिन्न कान्तिकारियों के योगदान पर चर्चा की गयी तथा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत तिरंगा यात्रा निकाली गयी और ग्रीन इण्डिया क्लीन इण्डिया के अनुपालन में सभी बच्चों को पेपर से और कपड़े से बैग बनवाया गया और उसे पास के दुकानों और अभिभावकों में बटवाया गया तथा बच्चों द्वारा यह संदेश दिलाया गया कि प्लास्टिक का उपयोग ना करें क्योंकि प्लास्टिक पृथ्वी, जीव-जन्तु, जानवरों, तथा मनुष्यों के लिए बहुत हानिकारक हैं, इससे कैंसर जैसी लाइलाज बीमारी हो जाती हैं। जितना ज्यादा इसका उपयोग बढ़ता जा रहा है पृथ्वी की उपवेश शक्ति घटती जा रही है। साथ ही साथ बच्चों में प्रार्थना सभा प्लाटिक का कम से कम उपयोग करने एवं भारत सरकार के कार्यक्रम के तहत अपने अपने हाथों में मिट्टी लेकर पंचकर्म के की प्रतिमा को भी अपने शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य के साथ दोहराया गया।उक्त कार्यक्रम की जानकारी विद्यालय की प्रबंधक डॉ० स्वतन्त्र मिश्रा ने देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के कोआर्डिनेटर सृजन मिश्रा, अंकुर सिंह, गौरव कुमार, अरविन्द सिंह, जुवेरिया इनकार, सरोज सिंह, प्रीती रुचि एवं स्नेहा तथा सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं बच्चों की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका है और है यह कार्यक्रम प्रदह अगस्त तक अनवरत जारी रहेगा।

रोजगार मेले में 178 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

प्रयागराज। मॉडल कैरियर सेन्टर (विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र) तथा क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में आकांक्षात्मक ब्लॉक बहरिया में स्थित राधारमण मिश्र पी0जी0 कालेज, तुलापुर, सिकन्दरा, प्रयागराज परिसर में दिनांक 11.08.2023 को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में मुख्य अतिथि शशांक मिश्र ब्लॉक प्रमुख बहरिया द्वारा बेरोजगार नवयुवकों के उज्जवल भविष्य की कामना की गयी एवं सेवायोजन कार्यालय के सार्थक प्रयास को सराहा गया। इस कार्यक्रम में उप प्रमुख पंकज सिंह एवं सहा0जि0रो0स0 अधिकारी प्रशान्त, प्रबंधक, राधारमण मिश्र पी0जी0 कालेज, प्रयागराज राघवेन्द्र मिश्रा एवं मेला प्रभारी प्रमोद कुमार पाण्डेय, मारूफ अहमद आदि उपस्थित रहे। कैरियर काउंसलिग डॉ0 सुग्रीव सिंह, पुस्तका0 द्वारा की गयी। धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य राकेश मिश्र द्वारा किया गया।

न्यूज झरोखा

पेड़ पौधों के बिना हम चंद मिनट जीवित नहीं रह सकते : सुकुंती देवी सचान

जसरा। पेड़ -पौधों के बिना जीवन नहीं संभव हैं। पेड़ हमारे जीवन का मुख्य आधार हैं।बिना भोजन के हम 10 - 15 दिन तक रह सकते हैं, बिना जल के दो से तीन दिन किन्तु प्राणवायु के बिना दो मिनट भी जीवित नहीं रह सकते हैं इसलिए वृक्ष की महत्ता को समझना होगा जितना अधिक से अधिक हों सकें वृक्षारोपण एवम उसके संरक्षण पर आगे बढ़ने की आवश्यकता हैं क्योंकि प्राणवायु का मुख्य आधार हमारे वृक्ष ही हैं।आज व्यापक पैमाने पर विकास के नाम पर वृक्षों को काटा जा रहा हैं जबकि उनके स्थान पर नये पेड़ों को नहीं लगाया जा रहा हैं इसके स्थान पर कंक्रिट का जाल बिछाया जा रहा हैं जिससे निकट भविष्य में काफी भयावह स्थित का सामना करना पड़ सकता हैं उक्त अनमोल विचार जसरा स्थित राजकीय बालिका इंटर कालेज पूर्व प्रधानाचार्या श्रीमती सुकुंती देवी सचान के हैं उन्होंने अपने सेवाकाल के दौरान विद्यालय सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर समाजसेवियों, शिक्षिकाओं के साथ मिलकर वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण करवानें के साथ-साथ वर्तमान में भी युवाओं, छात्राओं को पेड़ों की महत्ता पर जागरूकता का प्रचार प्रसार भी कर रहीं हैं।वह जार्जटाउन स्थित अपने अपार्टमेंट में ही एलोवेरा,समी, लेमनग्रास, अमरुद, जामुन, बैजन्ती , गिलोय फल-फूल एवम सब्जियों समेत अस्सी से अधिक प्रकार की विभिन्न प्रजातियों के पेड़ लगायी हैं। उनके इस प्रकृति प्रेम को देखकर समाज के अन्य लोग भी पेड़ों के प्रति सजग हों रहें हैं। पूर्व प्रधानाचार्या श्रीमती सुकुंती देवी सचान का यह भी मानना है कि 'जहाँ चाह -वहाँ राह'अर्थात जब पेड़ -पौधों के प्रति प्रेम हों तो क्या शहर क्या गांव सभी स्थानों पर पेड़ पौधों को लगाकर आसपास का वातावरण मनमोहक बनाने के साथ ही पर्यावरण को भी मजबूत बनाया जा सकता हैं।

उच्च प्राथमिक विद्यालय में निकाली गई तिरंगा यात्रा

मांडा। मांडा ब्लॉक के अंतर्गत नगर पंचायत भारत गंज में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को मेरी माटी मेरा देश के तहत तिरंगा यात्रा निकाली गयी जिसमे सभी छात्र- छात्राओ ने हाथों में तिरंगा लेकर गली मोहल्लो का भ्रमण करते नजर आये। विद्यालय के प्रधानाचार्य रेनु देवी ने बताया कि देश का इस समय अमृत काल, अमृत महोत्सव चल रहा है। जो हमें देश की आजादी के लिए किए गए संघर्षों का स्मरण कराता । तिरंगा यात्रा नगर पंचायत के कई मोहल्लों में निकाली गई। इस मौके पर प्रधानाध्यापक रेनू द्विवेदी व सहायिका अध्यापक नीलम श्रीवास्तव,के साथ अभिभावक मौजूद रहे।

संविलियन विद्यालय के शिक्षकों ने निकाला तिरंगा यात्रा

मऊआइमा। मऊआइमा विकास खण्ड के अब्दालपुर खास गांव स्थित संविलियन विद्यालय द्वारा खंड शिक्षाधिकारी के नेतृत्व में गांव में तिरंगा यात्रा निकाल कर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। मऊआइमा के अब्दालपुर खास स्थित संविलियन विद्यालय में खंड शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाला गया। जो गांव के विभिन्न क्षेत्रों में घूम कर ग्रामीणों को जागरुक किए और तिरंगा के बारे में बताया गया। इस अवसर पर शिक्षक सतीश चंद्र त्रिपाठी, लाल बहादुर, अंजनी कुमार यादव, राजेंद्र कुमार यादव, बिहारी लाल, विजयकांत शुक्ला, उष्मा अग्रवाल, विपिन द्विवेदी, आदित्य कुमार, पूनम कुशवाहा, रेनू प्रजापति, रीता देवी, हेमलता आदि शिक्षकगण मौजूद रहे।

नवयुवक ब्राह्मण समाज ने मनाया पूर्व प्रमुख का जन्मदिन

सहसों। नवयुवक ब्राह्मण समाज ने गारापुर स्थित केन्द्रीय कार्यालय पर शुक्रवार को संगठन के संस्थापक एवं अध्यक्ष पंडित लवकेश मिश्रा की अध्यक्षता में विकास खण्ड बहरिया के पूर्व ब्लाक प्रमुख कुलदीप पांडे की मौजूदगी में केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर पंडित लवकेश मिश्रा ने कुलदीप पांडे को केक खिलाते हुए उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाओं सहित बधाई देते हुए दीघार्यु होने की ईश्वर से कामना किया। नवयुवक ब्राह्मण समाज के लोगों द्वारा जन्मदिन की बधाई स्वीकार करते हुए पूर्व प्रमुख कुलदीप पांडे ने सबका मुंह मीठा कराते हुए आभार व्यक्त कर उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रमोद त्रिपाठी आजाद, आशीष कुमार शुक्ला, विनोद शुक्ला, पंकज शुक्ला, प्रवेश शुक्ला, कृष्ण दत्त दुबे, डॉ ए एन मिश्रा, राकेश पांडे, आलोक शुक्ला, अनुराग मिश्रा, कमला कांत शुक्ला सहित आदि लोग बधाई देते हुए उपस्थित रहे।

सपा नेता ने कोरांव में सूखा प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

अखंड भारत संदेश

कोरांव। विधानसभा के बड़ोखर भरथीपुर, हडिया, मानपुर, चिराव का दौरा कर किसानों से जन संपर्क करते हुए उनकी समस्या जाना समाजवादी पार्टी के निवर्तमान प्रदेश सचिव नरेंद्र सिंह ने किसानों को आश्वासन दिया कि हम समाजवादी लोग आपकी जन समस्या को लोकतांत्रिक तरीके से लड़ते हुए जमुनापार को सूखा घोषित कराने का प्रयास करेंगे वही जिला उपाध्यक्ष कोरांव विधानसभा प्रभारी राजेश पांडेय ने वर्तमान सरकार को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि कहां की मानक के अनुरूप वर्षा नहीं होती या 27 जुलाई तक धान की रोपाई नहीं हो सकती तो प्रशासन को सूखाग्रस्त घोषित कर देना चाहिए जब की आज किसानों के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई है समाजवादी पार्टी के विधानसभा प्रत्याशी रहे रामदेव निडर ने कहा कि आज किसानों गरीबों मजदूरों की समस्या का निदान तो दूर रहा लेकिन वर्तमान सरकार में बैठे जनप्रतिनिधियों के गाड़ी का शीशा तक नहीं उतर पाता जिससे आम जनता अपने आप को छला छला महसूस कर रही हैं लेकिन हम समाजवादी साथियों के साथ सत्ता की परवाह न करते हुए समस्त जन समुदाय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करने का काम करूंगा साथ में प्रमुख रूप से नाथेश्वर तिवारी कौशलेश सिंह अनसूया सिंह पृथ्वी पाल सिंह के साथ अन्य क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

विक्रम की टक्कर से युवक घायल अस्पताल में भर्ती

मऊआइमा। मऊआइमा के शहबाजपुर में खाद की गोदाम पर गए युवक को विक्रम ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे युवक बुरी तरह जख्मी हो गया।जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विक्रम चालक विक्रम छोड कर फरार हो गया। विक्रम को पुलिस अपने कब्जे में ले लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के शहबाजपुर गांव निवासी गुलाब चन्द्र पुत्र तुलसी राम का पुत्र सत्येंद्र कुमार खाद की गोदाम जा रहा था।

बताते हैं कि जैसे सरपताही नहर के पास पहुंचा सामने से आ रही विक्रम ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे सत्येंद्र कुमार बुरी तरह घायल हो कर बेहोश हो गया। जिसे निजि अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल के पिता ने विक्रम चालक नाम पता अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस विक्रम को अपने कब्जे में ले लिया है।

आजादी के अमृत काल में आयोजित कार्यक्रम हमारे शौर्य स्वाभिमान के प्रतीक : मनीष

अखंड भारत संदेश

विद्यालय के बच्चों ने लिया पंच प्रण की शपथ,मिट्टी संकलन का भी कार्य शुरू

करछना। आजादी के अमृत काल के क्रम में आयोजित सभी कार्यक्रम अनूठे हैं। विद्यालयों में सप्ताह भर चलाये जाने वाले यह कार्यक्रम हमारी सामाजिक समरसता, एकता, राष्ट्रीय शौर्य और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। इसकी श्रृंखला में प्रथम दिवस बच्चों द्वारा प्रस्तुत माटी के गीत जन जागरण के प्रतीक रहे वहीं पंच प्रण को लेकर बच्चों में राष्ट्र के नवनिर्माण की भी प्रेरणा मिलेगी। यह बातें रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इण्टर कॉलेज के सभागार में अनवरत सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के दूसरे दिन गुरुवार को प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने बच्चों के बीच कहीं। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे अपने घर से,बाग से मिट्टी लाकर विद्यालय में रखे हुए कलश में जमा करेंगे। यह कार्यक्रम हमारे समाज में छोटे-बड़े,जाति वर्ग,का भेदभाव मिटाकर समता समानता और एकता का प्रतीक है। इसके उपरांत बच्चों ने पंचप्रण की शपथ और तिरंगा यात्रा निकालकर अपनी आजादी के प्रति जनजागरण किया। संगीत शिक्षिका मोहिनी श्रीवास्तव के संयोजन में विद्यालय की छात्रा खुशी, खुशबू राज, श्रद्धा, स्वाति और सखियों ने प्रस्तुत माटी के गीतों में देश प्रेम और स्वाभिमान की अलग जगाई। इस मौके पर प्रवक्ता प्रदीप श्रीवास्तव, जितेंद्र कुमार, जगतपाल, मो. परवेज सिद्दीकी, एनसीसी अधिकारी रमेश तिवारी, मालती शर्मा, सुधा सिंह विजय सिंह, सुरेश कुमार, चंद्रशेखर सिंह विश्वेश ओझा, कमलाशंकर त्रिपाठी, कंचन पांडेय, राजकुमार विश्वकर्मा, विमला देवी, अशोक सिंह समेत बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

उतरांव थाना परिसर में प्रधानो की बैठक

उतरांव। उतरांव में क्राइम कंट्रोल करने एवं अपराधियों तक पहुंच बनाने के उद्देश्य से थानाध्यक्ष उतराव पंकज त्रिपाठी ने थाना परिसर में ग्राम प्रधान व सम्मानित लोगों के साथ बैठक की।बैठक में सभी ग्राम प्रधान एवं सम्भ्रान्त व्यक्तियों के के सामान्य से पुलिस और पब्लिक के बीच मित्र व्यवहार करने पर चर्चा की। वही अपराधी एवं अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से समस्त ग्राम प्रधानों से अपने-अपने गांव के मुख्य मार्गों एवं मुख्य चौराहों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का प्रस्ताव रखा। थाना अध्यक्ष ने कहा कि जो भी ग्राम प्रधान व सम्भ्रान्त व्यक्ति सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए तैयार है उनको पुलिस भी मदद करेगी। साथ ही सीसीटीवी कैमरा लगाने वाले लोगों को थाने पर बुलाकर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। वहीं अन्य समस्या एवं क्षेत्र में अपराधों के बारे में जानकारी करने पर गांव के सम्भ्रान्त व्यक्तियों एवं ग्राम प्रधानों ने कच्ची शराब सट्टा जुआ एवं चोरी पर पुण रूप से अंकुश लगाने की मांग की। इस पर थाना अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने सभी को आस्वस्त करते हुए कहा कि आपकी सुरक्षा ही हमारी पहली प्राथमिकता है। हमारा मुख्य उद्देश्य क्राइम को खत्म करना और जनता के बीच पुलिस का मित्र व्यवहार स्थापित करने का है। उक्त अवसर पर ग्राम प्रधान राजीव यादव, कमलेश यादव, विपिन सिंह, उदय राज यादव,राम दीन, शोभ नाथ कुशवाहा, त्रिलोकी नाथ, अनिल पटेल, मनोज पटेल, जय प्रकाश मौर्य, धनंजय कुशवाहा, कृपाशंकर, रामसेवक नागेंद्र सिंह उर्फ चच्चू, बैजनाथ पाल, वेद प्रकाश, अखिलेश कुमार सिंह,जंग बहादुर, राजीव कुमार, हीरालाल, अली हुसैन, जटाधारी, दिनेश कुमार, सीताराम, शहीद अहमद, अनिल कुमार आदि लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे।

गयादीन विश्वकर्मा इंटर कॉलेज परिसर में पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मेजा रोड। गयादीन विश्वकर्मा इंटर कॉलेज के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूल के बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था ताकि वह अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित हों। विद्यालय के प्रबन्धक तीर्थराज विश्वकर्मा ने वृक्षों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सुखद जीवन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिवर्ष कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। छात्रों ने विद्यालय के प्रांगण में तरह-तरह के पौध रोपे और अपने घर पर यथासंभव अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। केसरी नंदन शुक्ल ने गयादीन विश्वकर्मा इंटर कॉलेज ने पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस मौके पर केसरी नंदन शुक्ल, सूर्यबली, रामबाबू, आलोक कुमार, अश्वनी यादव, सुनील विश्वकर्मा, धर्मेन्द्र कुमार, रंजना मिश्रा, चन्द्र बहादुर, प्रियांशू विश्वकर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संचारी रोगों के विरूद्ध नगर निगम ने चलाया अभियान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। संचारी रोग (डेंगू) निरोधात्मक कार्यवाही के अन्तर्गत नगर निगम प्रयागराज द्वारा मच्छरों के लार्वा को विकसित न होने के दृष्टिगत नगर के विभिन्न तालाबों एवं पोखरों हेतु 04 लाख गम्बुजिया मछली मंगायी गयी। आज दिनांक 11 जुलाई 2023 को नगर आयुक्त, नगर निगम प्रयागराज श्री चन्द्र मोहन गर्ग द्वारा नगर निगम कैम्पस स्थित फाउण्टेन में गम्बूजिया मछली छोड़ी गयी। उक्त के साथ नगर के विभिन्न क्षेत्रों स्थित तालाबों-छीतपुर तालाब, मालवीय नगर तालाब, रामपुर दुआरी का तालाबा, मलाक हरहर का तालाब, मोराहू गांव का तालाब, गोहरी बाजार के आगे पश्चिम के तरफ का तालाब, कोरसण्ड गांव का तालाब, काशीराम रोड राजर्षि टण्डन के सामने का तालाब आदि स्थलों पर गम्बूजिया मछली डाले जाने की कार्यवाही की गयी। गम्बूजिया मछली मच्छरों को जनित करने वाले लार्वा को खा कर समाप्त करती है, जिससे कि डेंगू जैसी गम्भीर बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। उक्त के साथ ही संचारी रोग अभियान के तहत विभिन्न वार्डों-आजाद स्क्वायर, इन्द्रपुरी कालोनी, छोटा बघाड़ा, कोहना आवास विकास सेक्टर-2, कृष्ण नगर, बंगाली टोला, बाई का बाग, तालाब नवल राय, नारायण सिंह नगर, वार्ड-48 पंजाबी कालोनी, चौखण्डी, तुलसीपुर, मोहत्सिमगंज, बारादरी घाट, मीरापुर, नैनी क्षेत्र, कृष्णा नगर क्षेत्र आदि क्षेत्रों में साफ-सफाई के साथ एण्टी लारवा का छिड़काव तथा कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का कार्य कराया गया। कार्यवाही के दौरान अपर नगर आयुक्त श्री अरविन्द कुमार राय, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 अभिषेक सिंह, क्षेत्रीय जोनल अधिकारी, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक तथा क्षेत्रीय सफाई एवं खाद्य निरीक्षक आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

गांजा के साथ 7 महिलाएं की गई गिरफ्तार

नैनी। नैनी कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर छिवकी रेलवे यार्ड के पास से थाना क्षेत्र शुक्रवार को सात महिलाओं को प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है की ये महिलाएं काफी समय से नशीले पदार्थ की तस्करी में लिप्त थी। इन महिलाओं में भगवान देवी पत्नी स्व0 लक्ष्मण निवासी ग्राम मिल्किया थाना निगोही जनपद शाहजहाँपुर ,बनारसिया पत्नी मेहीपाल निवासिनी ग्राम ईशापुर थाना निगोही जिला शाहजहापुर , चन्द्रकली पत्नी स्व0 मंगाराम उर्फ गनुवा निवासी ईशापुर थाना निगोही जिला शाहजहापुर , ऊषा देवी पत्नी मोतीलाल निवासी मिलकिया थाना निगोही जिला शाहजहापुर ,धनदवी पत्नी घनश्याम निवासी मिलकिया थाना निगोही जिला शाहजहापुर ,लाडो देवी पत्नी स्व0 कल्लू निवासी ईशापुर थाना निगोही जनपद शाहजहापुर ,राजरानी पत्नी स्व0 फुल्लू सिहं निवासी ईशापुर थाना निगोही जनपद शाहजहाँपुर शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से कुल नौ किलो सात सौ पचास ग्राम गांजा बरामद किया है। इनके विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है।

शंकरगढ़ में पुलिस मुठभेड़, अंतरजनपदीय दो बदमाशों को लगी गोली

पश्चिमी यूपी के शाहजहांपुर जनपद के बदमाशों की प्रयागराज में आहट से पुलिस के हुए कान खड़े

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। शंकरगढ़ और बारा पुलिस की संयुक्त टीम से हुई मुठभेड़ में शाहजहांपुर के पांच बदमाश गिरफ्तार किए गए हैं। जिसमें दो बदमाश घायल हुए हैं, जिन्हे एसआरएन ले जाया गया है। पश्चिमी यूपी के रहने वाले इन बदमाशों के पास से चाबी का गुच्छा और लूटपाट का हथियार बरामद हुआ है। लंबी दूरी तय कर प्रयागराज आने वाले बदमाशों की आहट से पुलिस के भी कान खड़े हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक एसओ शंकरगढ़ अपनी टीम के साथ एनटीपीसी नहर पुलिया के पास चेकिंग कर रहे थे। इसी दरम्यान प्रभारी निरीक्षक बारा भी अपनी टीम के साथ पहुंच गए। मुखबिर के जरिए कुछ बदमाशों की सूचना मिलने पर दोनों थानों की संयुक्त टीम ने ग्राम कपारी में हीरा फिलिंग स्टेशन व वीके ढाबा के बीच (एनएच-35 बांदा राजमार्ग) स्थित एक बाउंड्री वाल की घेराबंदी की। बाउंड्री वाल के अंदर मौजूद लोगों को पुलिस द्वारा घिर जाने की आशंका होने पर बमबाजी शुरू कर दी गई।

इसके बाद पुलिस की टीम ने आत्मरक्षार्थ फायरिंग कर बदमाशों को काबू में करने की कोशिश की। इस दौरान दो बदमाश घायल हो गए। इस दौरान मौका मिलते ही पुलिस ने बाउंड्री वाल के अंदर जाकर बदमाशों को धर दबोचा। पुलिस ने घायल दोनों बदमाशों को पुलिस कस्टडी में सीएचसी शंकरगढ़ भेजा, जबकि तीन अन्य को हिरासत में ले लिया। गिरफ्त में आए शाहजहांपुर के शातिर बदमाशों के गिरोह के पास से दो अदद तमंचा, तीन खोखा, लकड़ी का बैट, लोहे की सरिया, प्लास (प्लायर), पेचकस (स्क्रू ड्राइवर) और चाबी का गुच्छा बरामद हुआ है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्त में आए इस गिरोह का गंगानगर के थरवई क्षेत्र में हुई लूटपाट व हत्या से ताल्लुक नहीं है। घायल कृष्ण कुमार उर्फ अंडू पुत्र मंगल गिरि (ईशापुर, निगोही, शाहजहांपुर) और कैलाशनाथ पुत्र रामदीन सिंह (निवासी ईशापुर, निगोही, शाहजहांपुर) को एसआरएन ले जाया गया है। जबकि सही-सलामत अवस्था में धरे गए मोहन लाल उर्फ सपेटा पुत्र छोटे लाल, ओमप्रकाश उर्फ लौकी पुत्र फूल सिंह (निवासी उपरोक्त) और मोती पुत्र सियाराम (निवासी मिलकिया, निगोही, शाहजहांपुर) का चालान भेज दिया गया। शंकरगढ़ पुलिसने इस मामले में धारा 399, 401, 307, 3 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम व 3/25 आयुध अधिनियम का केस लिखा है। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह डकैती डालने की तैयारी कर रहा था।

यूपी-उत्तराखंड में दर्ज हैं कुल 16 मुकदमे : गिरोह के सदस्यों के आपराधिक रिकार्ड की बात करें तो कृष्ण कुमार उर्फ अंडू के खिलाफ कबरई (महोबा), चकेरी (कानपुर नगर), बिलसंडा (पीलीभीत) में संगीन धाराओं वाले छह मामले दर्ज हैं। इसी तरह कैलाशनाथ पुत्र रामदीन के खिलाफ थाना कोतवाली (शाहजहांपुर), रौनाही (अयोध्या), थाना गौर (बस्ती), लालगंज (बस्ती), थाना हरैया (बस्ती) में नौ मुकदमे दर्ज हैं। इसी प्रकार ओमप्रकाश उर्फ लौकी के खिलाफ उत्तराखंड के चंपावत जनपद के थाना बनवसा में एक मामला दर्ज है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसएचओ बारा वीरेंद्र कुमार सोनकर, एसओ मनोज कुमार सिंह, एसआई ऋतुराज सिंह, संतोष कुमार, अरविंद कुमार यादव, एचसीपी देवेंद्र सिंह, संजय सिंह, अरुण कुमार, प्रभु नारायण पांडेय, मनोज, दीप कुमार, रामजीत, सिद्धार्थ, सूर्यप्रकाश शामिल रहे।

वाहन की टक्कर से टूटा रेलवे फाटक

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी क्षेत्र के दुबराज पुर रेलवे फाटक में गुरुवार रात किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे फाटक टेढ़ा हो गया। सूचना पर पहुंची आरपीएफ की टीम ने रेलवे के कर्मचारियों की मदद से फाटक की मरम्मत कराई। जिस दौरान वहां काफी देर जाम की स्थिति बनी रही। आरपीएफ छिवकी इंस्पेक्टर ने बताया किसी अज्ञात वाहन ने फाटक में टक्कर मारी थी, उसकी तलाश कराई जा रही है। इससे कोई ट्रेन बाधित नही हुई।

प्रयागराज लखनऊ के बीच चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें

परिवहन निगम ने भेजा प्रस्ताव, महाकुंभ तक 200 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की है तैयारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज से लखनऊ के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों की यात्रा और आरामदायक होगी। अब इस रूट पर इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की तैयारी है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने इसके लिए मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा है। उम्मीद है कि जल्द ही इस पर शासन की मुहर भी लग जाएगी। परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया, प्रयागराज में 2025 में आयोजित होने वाले महाकुंभ को लेकर इलेक्ट्रिक बसों के संचालन पर फोकस किया जा रहा है। अन्य बसों की तरह ही इलेक्ट्रिक बसों का संचालन भी प्रयागराज के सिविल लाइंस बस स्टैंड से होगा। उम्मीद है कि पहले और शुरूआती चरण में चार बसों का संचालन लखनऊ के लिए शुरू होगा। इसके बाद बसों की संख्या और बढ़ाई जाएगी। प्रयागराज से लखनऊ तक के लिए जनरथ बस का किराया 418 रुपए है जबकि राजधानी बस सेवा का किराया 331 रुपए है। इन दोनों बसों से भी कम किराया इलेक्ट्रिक बस का रखा गया है। अभी प्रयागराज में 50 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन हो रहा है लेकिन महाकुंभ के पहले 150 और इलेक्ट्रिक बसें प्रयागराज को मिलेंगी। अब यह संख्या बढ़कर 200 हो जाएगी। अभी यह प्रयागराज में 42 किलोमीटर की दूरी तक ही संचालित हो रही है लेकिन लखनऊ तक की अनुमति मिलने के बाद यह 200 किलोमीटर तक संचालित होगी।

चलती ट्रेन में डंडा मार कर मोबाइल लेकर फरार

गेट पर खड़ा था, बदमाशों ने हाथ में डंडा मारकर मोबाइल गिराया, लेकर हुए फरार

प्रयागराज। में ग्वालियर जा रहे एक युवक को गऊघाट रेलवे पुल के पास चलती ट्रेन में बदमाशों ने डंडा मारकर घायल कर दिया। उसका मोबाइल लेकर पफरार हो गए। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। गऊघाट पुल के आस पास ऐसी घटनाएं आए दिन होती रहती हैं, लेकिन पुलिस बदमाशों को पकड़ नहीं पा रही है। जानकारी के मुताबिक गाड़ी संख्या 1110 बुंदेलखंड एक्सप्रेस के जनरल कोच से अंकित राजपूत (25) पुत्र बबलू गहलोत निवासी शिवाजी नगर, ग्वालियर, मध्य प्रदेश शुक्रवार को ग्वालियर जा रहा था। अंकित ने बताया कि जब ट्रेन से गऊधघाट पुल के पास पहुंची, तब ट्रेन की रफ्तार काफी कम हो गई। वह गेट पर खड़ा था, तभी दो लड़के आए और उसके हाथ में जोर से डंडा मार दिया। जिससे उसका एंड्रॉयड मोबाइल हाथ से छूट कर गिर गया। अंकित मोबाइल उठाने के लिए नीचे उतरा तो उन लोगों ने उसे पीटना शुरू कर दिया। वह दौड़ के किसी तरह फिर से ट्रेन चढ़ गया। अंकित ने ट्रेन के टीटी से इसकी शिकायत दर्ज कराई। वे लोग उसका मोबाइल लेकर फरार हो गए। उसके अपने रिश्तेदार शंकरगढ़ निवासी अवधेश प्रताप सिंह को सूचना दी। उन्होंने अंकित को शंकरगढ़ रेलवे स्टेशन पर उतारकर इलाज कराया। पीडित ने घटना की सूचना लिखित रूप से जीआरपी शंकरगढ़ से की है। शंकरगढ़ थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि एफआईआर दर्ज हो गई।

जल, सीवर समेत अन्य कर वसूली में लापरवाही से 50 करोड़ से अधिक का नुकसान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कर वसूली में अफसरों की लापरवाही से नगर निगम एवं जलकल को 50 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। सरकारी भवनों का ही जल एवं सीवर कर नहीं लिए जाने से विभाग को 2016-17 में 11 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं अलग-अलग कार्यों में अरबों रुपये की अनियमितता भी सामने आई है।स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग की ओर से नगर निकायों की ऑडिट रिपोर्ट मंगलवार को विधानमंडल में रखी गई। इसके अनुसार प्रयागराज नगर निगम में बड़े स्तर पर वित्तीय अनियमितता सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार 2014-15 से 2016-2017 के बीच निगम तथा जलकल विभाग कर वसूली नहीं कर पाया। इससे 50 करोड़ से अधिक नुकसान हुआ है।जलकल विभाग सेवाकर भी नहीं वसूल पाया। रिपोर्ट के अनुसार 1.99 करोड़ के बजाय 37 लाख की ही वसूली कर सका। ऐसे में 1.61 करोड़ रुपये की क्षति हुई। रिपोर्ट के अनुसार शासन की अनुमति के बगैर एजेंसी ने अलग-अलग काम में गलत तरीके से श्रमिकों की नियुक्ति करने के नाम पर भुगतान प्राप्त कर लिया। इसमें 6.83 करोड़ रुपये से अधिक की अनियमितता सामने आई है।इसी तरह से गलत तरीकें से 2.41 करोड़ का भुगतान एक अन्य एजेंसी को भी किया गया है। 2016-17 में नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने दैनिक भोगी कर्मचारियों को 44 लाख रुपये का अनियमित तरीके से भुगतान किया है। कई काम में एजेंसी को टेंडर से 10 फीसदी से अधिक का भुगतान कर दिया गया। इससे निगम को 50 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। सड़क, नाली, सीवर, नाला आदि के निर्माण में कई अन्य स्तर पर भी अनियमितता बरती गई, जिससे निगम को अरबों रुपये का नुकसान हुआ है।

ठेकेदारों ने लेबर सेस का नहीं किया भुगतान : हर निर्माण कार्य पर कुल लागत का एक फीसदी लेबर सेस लगता है। यह राशि श्रम विभाग को दी जाती है। यह राशि श्रमिकों के लिए शुरू योजनाओं पर खर्च की जाती है। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार इसकी वसूली निर्माण एजेंसियों से नहीं की गई। इससे श्रम विभाग को एक करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं चाचर नाला के मरम्मत कार्य में सेस के अलावा डेढ़ फीसदी वाटर चार्ज भी नहीं लिया गया। इससे भी चार लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। कर वसूली में लापरवाही की बात ऑडिट के दौरान सामने आई थी। जवाब दिया गया है। यह नुकसान नहीं है। लोग टैक्स जमा नहीं करते हैं तो उनसे आगे वसूली की जाती है। सरकारी विभागों से भी 80 फीसदी तक जल एवं सीवर कर की वसूली की गई है। अन्य विभागों से आगे की जाएगी। सरकारी भवनों से कर वसूली की नीति है। इसी के अनुसार कर लिया जाता है। जांच के दौरान कई अन्य बिंदुओं पर भी आपत्ति उठाई गई थी। सभी का जवाब दिया गया है।

- कुमार गौरव, जलकल

स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग की ओर से ऑडिट रिपोर्ट को लेकर जानकारी नहीं है। रिपोर्ट में यदि किसी तरह की आपत्ति उठाई गई है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

- चंद्र मोहन गर्ग, नगर आयुक्त

गंगा में नहाने के दौरान डूबा बालक नही मिला शव

नैनी। नैनी औद्योगिक क्षेत्र थाना के लवायन गांव में दोस्त के साथ नहाने के दौरान एक बालक गहरे पानी मे समा गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस काफी गोताखोरों की मदद से बालक की काफी खोजबीन कराई, लेकिन उसका कुछ पता नही चल सका। लवायन गांव में रहने वाले जशवंत तिवारी का बेटा आयुष(8) गुरुवार को अपने 12 वर्षीय दोस्त के साथ लवायन घाट के पास नहाने गया था। बाढ़ का पानी बढ़ा होने के कारण वह गहरे पानी मे चला गया।आयुष के दोस्त ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से आयुष की घंटो गहरे पानी मे तलाश की,लेकिन उसका कुछ पता नही चल सका। एसओ औद्योगिक क्षेत्र ने बताया कि सुबह होते ही बालक की दोबारा तलाश कराई जाएगी। जाल डालने के साथ ही एनडीआरएफ जवानों को भी बुलाया गया है।

कोटे के चुनाव को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

सोरांव। इलाके के ग्राम पंचायत सराय बाजू में बीते कुछ दिनों पहले सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान को निरस्त कर दिया गया था। जिसको लेकर अब समूह की महिलाओं के नाम नए कोटेदार का चयन होना है। इसी बात को लेकर शुक्रवार को वर्तमान ग्राम प्रधान सराय बाजू ने कोटा के चुनाव को लेकर पूरे गांव में मुनादी करवाई। कि खुली बैठक के माध्यम से पंचायत भवन पर चुनाव होना है। लेकिन वही दूसरा दल ग्राम पंचायत पर चुनाव न करवाने के लिए अड़ा हुआ था। ग्रामीण गोविंद, विनोद, जीत लाल कनौजिया, दिलीप, गिरजेश,सुनील, वीरेंद्र पटेल, विजय पटेल, डॉक्टर राम गणेश, रामलोचन पटेल, सुरजीत कुमार सरोज, राकेश विश्वकर्मा, देवता दीन प्रजापति, सूरजकली,गजही पटेल, रानी देवी, अजय यादव, विक्रम यादव, राजवंत यादव, राम बहादुर, राजकुमार पाल, त्रिभुवन, गीता आदि सैकड़ो लोगों ने पंचायत भवन पर चुनाव कराने का बहिष्कार करते हुए प्राथमिक विद्यालय सराय बाजू पर चुनाव कराने के लिए अड़े रहे। मौजूद सभी लोगों ने हाथ उठाकर विरोध प्रदर्शन भी किया। उक्त ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत भवन पर चुनाव कराने से धांधली की आशंका है। जिससे पंचायत भवन की दूरी अधिक होने से ग्रामीण पंचायत भवन पर नहीं पहुंच सकते। ग्रामीणों के लिए सुविधाजनक मतदान स्थल प्राथमिक विद्यालय सराय बाजू ही है। जो सभी के लिए नजदीक है। जिसमें ग्रामीणों को बैठने के लिए पर्याप्त स्थान, शुद्ध पेयजल आदि सुविधाएं मौजूद हैं। गौरतलब है कि पूर्व में जितने भी चुनाव होते आए हैं सब विद्यालय में ही हुए हैं। इसी बात को लेकर गुरुवार को सोरांव उप जिलाधिकारी गणेश कनौजिया को शिकायती पत्र भी दिए। तब उप जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी होलागढ़ को स्कूल में चुनाव कराने के लिए आदेश दिए। ग्रामीणों का मानना है कि चुनाव पंचायत भवन पर न होकर के प्राथमिक विद्यालय सराय बाजू में किया जाए। जिससे चुनाव की पारदर्शिता भी बनी रहे।

ग्राम चौपाल का हुआ आयोजन, शिकायती पत्रों का किया गया तत्काल निस्तारण

अखंड भारत संदेश

सोरांव। जन समस्याओं का निराकरण एवम पारदर्शिता सरकार की प्राथमिकता है। इसी बात को लेकर पिछले 23 दिसंबर से सरकार ने सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम्य विकास के अधिकारियों को अपने कार्य क्षेत्र से जुड़े ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की विकास से जुड़ी हर समस्या को मौके पर ही पारदर्शिता पूर्वक निस्तारित करने का निर्देश दिया है। इसी बात को लेकर शुक्रवार को सोरांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत जगदीशपुर पूरे चंदा के ग्राम सचिवालय पर ग्राम चौपाल का आयोजन खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार पटेल की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें साफ सफाई, शौचालय, आवास, समूह, पेंशन, मनरेगा से कराए गए कार्य का सत्यापन,15 वें वित्त से कराए गए कार्य का सत्यापन आदि के विषय में चर्चा की गई। इस चौपाल में जितनी भी शिकायती पत्र ग्रामीणों द्वारा दी गई। ज्यादातर शिकायती पत्रों का निस्तारण मौके पर किया गया तथा शेष शिकायती पत्रों को खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने जल्द से जल्द निस्तारण करने की बात कही। इस मौके पर ग्राम पंचायत अधिकारी रिचा सिंह, प्रधान राजेश कुमार, एडीओ पंचायत विजय बहादुर यादव, एडीओ कॉपरेटिव नरेश कटियार, एडीओ समाज कल्याण राकेश यादव संग ग्रामीण मौजूद रहे।

सांस्कृतिक व नुक्कड़ नाटक का किया गया प्रदर्शन

प्रयागराज। आजादी का अमृत महोत्सव के समापन समारोह के अन्तर्गत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम (दिनांक 09 से 16 अगस्त, 2023) का प्रदर्शन शुक्रवार को तीसरे दिन शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन के तीसरे दिन लोक कलाकार श्याम बिहारी गौड़ और साथियों द्वारा हमार नथुनिया बनवास हो, नई झूलनी के छाया.....हम हैं, हिंदुस्तानी हिंदुस्तान हमारा है...जैसे लोकप्रिय लोकगीतों द्वारा सफल कार्यक्रम की प्रस्तुती दी गई। इसी क्रम में चैक स्थित नीम के पेड़ के पास नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर अशोक कुमार मौर्य पी.डी.प्रयागराज, रजनीकांत एन जी ओ प्रकोष्ठ, वीरेश कुमार उपनिदेशक पर्यटन, गुलाम सरवर पांडुलिपि अधिकारी, लोककलाकार उमेश कनौजिया, हरिश्चंद्र दुबे , रोशन लाल, शुभम कुमार, राजू सिंह सहित संस्कृत विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी सहित गणमान्य जनों की उपस्थिति रही। अतिथियों का स्वागत तथा कार्यक्रम का संयोजन राकेश कुमार वर्मा, प्राविधिक सहायक प्रयागराज द्वारा किया गया।

जंक्शन से प्रतिबंधित इंजेक्शन के साथ 2 गिरफ्तार

प्रयागराज से जबलपुर ले जा रहे थे नशीले पदार्थ, जीआरपी व आरपीएफ की टीम ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक से अआज शुक्रवार को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जो प्रतिबंधित इंजेक्शन लेकर जा रहे थे। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त जय प्रकाश पंडेत के निर्देशन में चल रहे ऑपरेशन नाकों के तहत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया प्रयागराज के प्लेटफार्म संख्या एक पर मजार के पास दोनो युवक एक अज्ञात व्यक्ति प्रतिबंधित नशीला पदार्थ खरीद रहे थे। वह कम दाम में यह खरीदकर जबलपुर बेचने के लिए ले जाने की तैयारी में थे। इसकी सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की टीम सक्रिय हो गई। दोनों को गिरफ्तार कर जब तलाशी ली गई तो उनके पास से 10 एमएल. के 49 एविल के इंजेवशन औरद 02 एमएल. के 48 लीजेसिक इंजेक्शन बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह यहां से सस्ते में यह इंजेक्शन खरीदकर जबलपुर ले जाते हैं और महंगे दामों पर इसे बेचते हैं। इन बरामद औषधियों के प्रतिबंथित एवं नाजायज होने की पुष्टि कर नशीले पदार्थ के सैंपल को राजकीय विश्लेषक, उत्र प्रदेश के पास अग्रिम जांच के लिए भेज दिया गया। दोनों आरोपी युवक मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले हैं। अभिषेक कुमार पटेल पुत्र राजेश पटेल और अनिल कुमार पटेल पुत्र मनीष कुमार पटेल, सोहागी, थाना आधार ताल, जिला जबलपुर हैं। आरपीएफ के एसआई विवेक कुमार ने बताया कि दोनों अभियुक्त के विरुद्ध थाना जीआरपी प्रयागराज में एनडीपीएस एक्ट के तहत अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में रमेश राम, संतोष कुमार यादव, चंदन कुमार व ड्रग इंस्पेक्टर संतोष कुमार शामिल रहे।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के दौरान अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराएंः डीएम

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के सम्बन्ध में डीएम ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव ने स्वतंत्रता दिवस समारोह-2023 (15 अगस्त) की तैयारियों के सम्बन्ध में कैम्प कार्यालय के सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होने कहा कि हमारे देश के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाने वाले 77वां स्वाधीनता दिवस समारोह परम्परागत रूप से सादगी के साथ परन्तु आकर्षक ढंग से मनाया जायेगा।

उन्होंने बताया कि 15 अगस्त को प्रातः 9.15 बजे प्रदेश मुख्यालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा तथा मुख्यमंत्री के सम्बोधन का लाइव प्रसारण प्रातः 9.15 बजे से तुलसीसदन (हादीहाल) में किया जायेगा जिसमें जनप्रतिनिधिगण की उपस्थिति भी रहेगी। उन्होने बताया कि पूर्वान्ह 10.15 बजे जिला, तहसील, ब्लॉक, नगर निकायों आदि सरकारी तथा गैर-सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाये तथा झण्डा अभिवादन के साथ ही राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन हो।

राष्ट्रीय ध्वज में पुष्पों की पंखुड़ियां बांध कर फहराया जाए। पंचायती राज विभाग को निर्देशित करते हुये कहा कि जनपद के जितने भी अमृत सरोवर, विद्यालय, शहीद स्थल है और जहा पर झण्डारोहण होना हे वहां की साफ-सफाई करायी जाये। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगितायें आयोजित की जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि हर ग्राम प्रधानों को जनसामान्य में झण्डा वितरण

अधिकारियों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव

करने का लक्ष्य 100-100 निर्धारित किया है जिसको समय से बटवाया जाये, इसके अतिरिक्त कोटेदारो को 100 झण्डे वितरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाये और समय रहते जनसामान्य को दिया जाये। नगर पालिका परिषद के प्रतिनिधि ने बताया कि सभासदों के माध्यम से वार्डो में झण्डा का वितरण किया जायेगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि ग्रामों में झण्डा समय से पहुँचा दिया जाये जिससे 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, सीओ सिटी करिश्मा गुप्ता, जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद, जिला विद्यालय निरीक्षक सरदार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राजेश कुमार सिंह सहित वरिष्ठ अधिवक्ता चिन्तामणि पाण्डेय व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने कर-करेत्तर, राजस्व वसूली एवं राजस्व कार्यो की किया समीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में कर-करेत्तर, राजस्व वसूली एवं राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत देय, आबकारी, परिवहन विभाग, नगर निकाय, स्टाम्प ड्यूटी, बाट-माप, जीएसटी सहित अन्य विभागों की राजस्व वसूली की समीक्षा किया तथा कम वसूली वाले विभाग को सुधार लाने के निर्देश दिये। राजस्व वसूली के कार्यो में वन विभाग और खनन विभाग के इस माह के लक्ष्य की प्रगति बहुत ही कम पायी गयी जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने लक्ष्य के सापेक्ष कार्ययोजना बनाये और शत प्रतिशत राजस्व वसूली के कार्य को कराया जाये, यदि लक्ष्य के सापेक्ष कार्य नही किया जायेगा तो सम्बन्धित विभाग को पत्र प्रेषित कर दिया जायेगा। राजस्व प्रशासन की समीक्षा की गयी जिसमें मुकदमा, स्वामित्व योजना, आडिट आपत्तियां, वादों का निस्तारण, अंश निर्धारण की कार्यवाही, भू-माफियाओं के विरूद्ध कार्यवाही आदि की प्रगति पिछले 03 बैठकों से लगातार धीमी पाये जाने जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि यदि अगली बैठक में सुधार नही होता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। मॉडल शाप के लिये समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जो जनपद के लिये 75 दुकाने चयनित है उन जगहों का प्रस्ताव सम्बन्धित उपजिलाधिकारी उपलब्ध करा दें। पट्टे की समीक्षा की गयी तो बताया गया कि 5 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित है जिसमें उप जिलाधिकारी द्वारा पट्टे का कार्य नही किया गया जिस पर उन्होने नाराजगी व्यक्त की और कहा कि यदि अगस्त माह में कार्य को पूर्ण नही किया जाता है तो दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने अन्त में सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की शत प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाये इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

बलिदानियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अनुसरण करें छात्र-छात्राएंः प्राचार्य

पीबीपीजी कालेज में मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ सिटी के प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर अमित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम में पंच प्रण की प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई गई।

अपने उद्बोधन में प्राचार्य प्रोफेसर अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज हमें उन वीरों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों सेवा के जवानों और मातृभूमि की रक्षा के लिए शहीद हुए बलिदानियों को नमन करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अनुसरण करना चाहिए।

छात्र-छात्राओं को पंच प्रण की शपथ दिलाते प्राचार्य प्रो0 अमित कुमार श्रीवास्तव।

एक विकसित भारत के निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ समर्पण का भाव हम सबको लेकर चलना है। प्रोफेसर ब्रह्मानंद प्रताप सिंह ने कहा कि वसुधावंदम कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण हेतु हम सबको अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम 75 वृक्षों का रोपण करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी एवं बी०एड० विभागाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि आज वीरों का वंदन कार्यक्रम की महत्ता हम सबके लिए बहुत ही प्रासंगिक हो गई है राष्ट्र के पुनर्निर्माण में ऐसे वीर बलिदानियों की भूमिका मील का पत्थर साबित हुई है जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। उनकी वीरगाथाएं हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नीरज त्रिपाठी ने किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विभाग संगठन मंत्री अमित देव, डॉक्टर कुलदीप सिंह, डॉक्टर नीरज पांडे, डॉक्टर देवेश कुमार सिंह, डॉक्टर राकेश सिंह, डॉक्टर अमृता सिंह अजीत प्रताप सिंह, संतोष सिंह, बालेन्दु भूषण सिंह, विनय कुमार सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

मानदेय न मिलने पर कर्मचारियों ने दिया ज्ञापन

पट्टी, प्रतापगढ़। कई महीनों से मानदेय न मिलने पर संविदाकर्मियों ने बेसिक शिक्षा अधिकारी के नाम खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मानदेय दिलाने की मांग की है। पट्टी खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में तैनात संविदाकर्मी कई महीने से मानदेय न पाने के कारण आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे है। कई बार इस सम्बंध में मांग करने के बाद भी मानदेय नही मिला तो संविदाकर्मियों ने खंड शिक्षा अधिकारी पट्टी को बेसिक शिक्षा अधिकारी के नाम ज्ञापन देकर जल्द से जल्द मानदेय दिलाये जाने की मांग की है।

बीएससी कृषि के छात्रों ने मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण में किया प्रतिभाग

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर के अंतर्गत मदन मोहन मालवीय पी जी कालेज कालाकांकर के बीएससी कृषि के छात्रों ने कृषि संकाय के शिक्षक आशुतोष यादव के नेतृत्व मे गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रोद्योगिक विश्व विद्यालय पंत नगर उत्तराखंड में मशरूम अनुसधान एवं प्रशिक्षण केंद्र मे संयुक्त निदेशक डा० एस के मिश्रा के निर्देशन मे तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

जिसमे विभिन्न प्रकार के मशरूम उत्पादन तथा मशरूम

मशरुम उत्पादन प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र के साथ छात्रगण।

अचार, नूडल्स तथा पापड़ बनाने का प्रशिक्षण किया। प्रशिक्षण के उपरांत प्रमाण पत्र दिया गया। प्रशिक्षण मे रुपेश त्रिपाठी, नवनीत राम, रविरंजन, सुधांशु, आकाश पुष्पाकर, आकाश अग्रहरि, अभिषेक व अमन भारती रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 शिवम श्रीवास्तव, प्रो0 रामकरन यादव, अनिल सिंह, रणजीत पटेल, नासिर जिलानी ने विद्यार्थियो को सफल प्रशिक्षण पर सभी को अपनी शुभकामनाएं दी।

वकीलों की हत्या पर उबले साथी, किया विरोध प्रदर्शन

अलीगढ़ व सुल्तानपुर में अधिवक्ता हत्याकांड पर पनपा आक्रोश

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। प्रदेश में सुल्तानपुर तथा अलीगढ़ में वकीलों की हुई हत्या को लेकर शुक्रवार को यहां भी अधिवक्ताओं में आक्रोश देखा गया। वकीलों ने साथियों के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर तहसील गेट पर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

आल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में अपराधी इतने बेखौफ हो उठे है कि सरेआम वकीलों की हत्या की वारदात अंजाम दे रहे हैं। उन्होने कहा कि इसके बावजूद प्रदेश सरकार अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू नही कर रही है। वकीलों ने सुल्तानपुर जिले में अधिवक्ता आजाद तथा अलीगढ़ में अधिवक्ता अब्दुल मुगीज की दिनदहाड़े हत्याओं मे अब तक गिरफ्तारी न होने पर रोष जताया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने कहा कि साथी अधिवक्ताओं की हत्या में आरोपी सलाखों के पीछे न पहुंचे तो पूरे प्रदेश में आंदोलन और तेज होगा। संचालन महामंत्री धीरेन्द्र शुक्ल ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष लाल विनोद सिंह, प्रमोद सिंह, विपिन शुक्ल, संतोष पाण्डेय, संदीप सिंह, प्रदीप सिंह, शिव नारायण शुक्ल, लाल स्नेहांस प्रताप सिंह, सिंटू मिश्र, शिवेन्द्र आदि अधिवक्ता रहे।

युवक की मौत पर चार आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। युवक की मौत को लेकर लालगंज पुलिस ने लालगंज पुलिस ने चार आरोपियो के खिलाफ हत्या तथा गालीगलौज का केस दर्ज किया है। लालगंज के पूरे बसंतराय निवासी भगवत पटेल के पुत्र दशरथ लाल ने दी गई तहरीर मे कहा है कि दस अगस्त को साढ़े चार बजे उसका पुत्र शंकर लाल 22 खेत की तरफ तालाब के पास खड़ा था। इसी समय गांव के ही हरकेश के पुत्र अजय से रास्ते मे गुजरते समय कहासुनी हो गयी थी। इस बात को लेकर आरोपी अजय ने फोन करके अपने घरवालो को वहां बुलवा लिया। अजय के घर से उसका भाई दीपक व रामबली के पुत्र हरकेश तथा हरकेश की पत्नी ने वहां पहुंचकर लाठी डण्डे से मृतक को मारापीटा। मृतक की चीखपुकार सुन बीचबचाव को मां पहुंची तो आरोपियो ने उसे भी मारापीटा। मारपीट की घटना में मृतक तालाब मे गिर गया। हल्लागुहार पर गांव के लोग आये तो मृतक को खोजबीन कर तालाब से निकलवाया गया। तहरीर मे कहा गया है कि आरोपियो द्वारा मारपीट की चोटो तथा पानी मे डुबोने से उसके पुत्र शंकर लाल की मौत हो गयी। एएसपी प्रशिक्षणाधीन अमृत जैन के आदेश पर पुलिस ने गुरूवार की रात आरोपी अजय समेत चार के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस ने मृतक युवक के शव को कब्जे मे लेकर गुरूवार की रात पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया है। वहीं घटना के दूसरे दिन भी मृतक के परिजन शोक मे डूबे दिखे। निरीक्षक अवन दीक्षित का कहना है कि केस दर्ज किया गया है, आरोपियो को जल्द हिरासत मे लेकर जेल भेजा जाएगा।

बांझपन जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज प्रतापगढ़ में शुरू होना सराहनीयः हरिप्रताप

महिलाओं में बांझपन व बच्चेदानी का कैंसर पर आयोजित हुआ शिविर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। इण्डियन मेडिकल एसोसिएषन प्रतापगढ़ व सहारा हास्पिटल लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आज राजकीय इंटर कालेज के सामने संजीव हास्पिटल में महिलाओं में बांझपन जैसे गंभीर रोग पर षिविर आयोजित किया गया।

इस षिविर में सहारा हास्पिटल के हेड इन फीर्टिलिटी व आईवीएफ की एक्सपर्ट डा0 तृषा अग्रवाल ने बांझपन पर

मुख्य अतिथि हरिप्रताप सिंह का स्वागत करते चिकित्सकगण।

निःषुल्क परामर्ष दिये तथा पैप स्मीपर (बच्चेदानी के मुंह का कैंसर) की निःषुल्क जांच भी की गई। इस अवसर पर षिविर में उपस्थित नगर पालिकाध्यक्ष हरिप्रताप सिंह ने कहा कि प्रतापगढ़ में बांझपन व बच्चेदानी के मुंह का कैंसर की चिकित्सा सुविधा मिलने से लोगों को अब बाहर के जनपदों का दौरा नहीं करना पडेगा। उन्होंने कहा कि प्रतापगढ़ में यह सुविधा मिलना एक सराहनीय प्रयास है। इस अवसर पर विषेषज्ञ चिकित्सकों ने बताया कि महिलाओं में फालोपियन पूरी तरह से बंद होने या फिर टीबी व एंडोमेट्रीओसिस की वजह से नष्ट हो चुकी है तो आईवीएफ ही ऐसा विकल्प है जिसकी मदद से गर्भ धारण किया जा सकता है। इसके अलावा पुरुषों में शुक्राणुओं की कमी व महिलाओं में पीसीओडी की वजह से ओवियोलेषन में समस्या, एंडोमेट्रिओसिस या अन्य फार्टिलिटी ट्रीटमेंट व आईयूआई के फेल हो जाने से डाक्टर आईवीएफ की सलाह देते हैं। चिकित्सकों ने कहा कि बहुत सारी दम्पत्तियों को बांझपन का कारण नहीं पता चल पाता। वह भी आईवीएफ द्वारा संतान का सुख प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में सहारा इण्डिया परिवार के वरिष्ठ सलाहकार अनिल विक्रम सिंह, आईएमए के जिलाध्यक्ष डा0 कुलश्रेष्ठ, वरिष्ठ चिकित्सक डा0 एस0एस0 गुप्ता, डा0 षषिप्रभा गुप्ता, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गोकुल प्रसाद श्रीवास्तव के अलावा बड़ी संख्या में चिकित्सक मौजूद रहे।

बाइक सवार की टक्कर से युवक के पैर की हड्डी टूटी

पट्टी, प्रतापगढ़। किसी काम से बाजार जा रहे युवक की बाइक में यूरिया खाद लेकर जा रहे बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गया और युवक के पैर की हड्डी टूट गई। अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध युवक ने तहरीर दिया है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के बरहूपुर गांव का रहने वाला निर्मल कुमार पुत्र रामदुलार किसी काम से शुक्रवार की सुबह पट्टी जा रहा था, जैसे ही वह मरियमपुर नहर के पास पहुंचा तेजी से लापरवाही तरीके से बाइक पर दो बोरी खाद लेकर लौट रहे युवक ने उसकी बाइक पर जोरदार टक्कर मार दिया जिससे वह वहीं पर गिर गया और बुरी तरीके से जख्मी हो गया उसके पैर की हड्डी टूट गई। किसी तरह मौजूद लोगों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया युवक ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध पट्टी कोतवाली में तहरीर दी है।

सहायक अध्यापकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का डायट में हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राजकीय और सहायता प्राप्त माध्यमिक शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रतापगढ़ में संपन्न हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए उप शिक्षा निदेशक अशोक सिंह ने सभी शिक्षकों को रोचक तथ्यों एवं नवाचार के साथ शिक्षा को जीवन से जोड़ते हुए शिक्षण करने हेतु प्रेरित किया इस प्रशिक्षण में जनपद के राजकीय एवं सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी विषय के कुल 119 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया प्रशिक्षण समाप्ति के बाद सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया यह प्रशिक्षण निदेशक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद लखनऊ के निदेर्शानुसार कराया जा रहा है इस प्रशिक्षण का माड्यूल राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान प्रयागराज द्वारा प्रेषित किया गया है प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षकों का लगातार क्षमता संवर्धन का प्रयास किया जा रहा है जिससे माध्यमिक शिक्षा में भी गुणात्मक सुधार किया जा सके गणित विषय में संदर्भ दाता के रूप में कृष्ण देव और विकास कुमार शुक्ला प्रवक्ता तथा अंग्रेजी विषय में पवन कुमार तिवारी, प्रवीण सिंह श्री मती ऊष्मा देवी तथा विज्ञान विषय में अनिल निलय और ऋचा श्रीवास्तव ने संदर्भदाता के रूप में कार्य किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्रभारी विजय कुमार, अनूप यादव, शिक्षा यादव तथा नोडल प्रभारी फिरोज खान, जितेंद्र यादव सहित सभी डायट संकाय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डायट प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश कुमार और डॉ.सतीश चंद्र तिवारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

डायट में आयोजित प्रशिक्षण में मौजूद सहायक अध्यापकगण।

विजेता टीम को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बलीपुर स्थित ए एस एम ग्रुप के प्रधान कार्यालय पर रायबरेली पीएसी ग्राउंड पर एक दिवसीय अंडर-180 बास्केटबॉल बालक एवं बालिका वर्ग इन्विटेशनल टूनार्मेंट संपन्न हुआ जिसमें रायबरेली ऊंचाहार, बछरावां तथा प्रतापगढ़ बालक एवं बालिका वर्ग की टीमों ने प्रतिभाग किया। इसमें बालक वर्ग में ए एस एम ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साकेत अकैडमी प्रतापगढ़ ने द्वितीय स्थान तथा शिवानी डिफेंस एकेडमी बछरावां ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में ए एस एम ग्रुप प्रथम स्थान, साकेत एकेडमी द्वितीय स्थान तथा तीसरा स्थान बछरावां ने प्राप्त किया था उसी परिपेक्ष में ए एस एम ग्रुप के संस्थापक तथा बहुजन समाज पार्टी के सदर विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी डॉ आशुतोष त्रिपाठी जी की अनुपस्थिति में उनकी धर्मपत्नी समाज सेविका एवं दहेज प्रथा विरोधी मंच की अध्यक्ष नित्या त्रिपाठी ने सभी ए एस एम ग्रुप के

विजेता टीम को प्रशस्ति पत्र देतीं अध्यक्ष नित्या त्रिपाठी।

बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों को सम्मानित एवं प्रशस्ति पत्र देते हुए कहा कि यह वह क्षण होता है जब सभी लोग व खिलाड़ी इस दिन का इंतजार करते हैं। बालक वर्ग में सुधांशु त्रिपाठी, दिव्यांशु यादव, अभिजीत सिंह, सिद्धार्थ सिंह, तेजस वैश्य, आदर्श सिंह, नावेद अली, दिव्यांशी, अनिकेत, मयंक सिंह, यशवर्धन एवं कार्तिकेय तथा बालिका वर्ग में संभावना मिश्रा, श्रेया मिश्रा, सृष्टि गौड, आरती, ईशा मिश्रा, स्वाति सिंह, नेहा मिश्रा, शिवानिका त्रिपाठी, दिव्या यादव, कनक सिंह, चांदनी सरोज, निशा यादव, रिंकी सरोज थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

लालगंज, प्रतापगढ़। बाजार से घर लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से घायल युवक को आननफानन मे सीएचसी सांगीपुर मे भर्ती कराया गया। सीएचसी मे हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

स्पीड ब्रेकर से उछलकर बाइक सवार गिरे एक युवक की दर्दनाक मौत

राष्ट्रीय राजमार्ग पर बना स्पीड ब्रेकर बना मौत का कुंआ हादसे में दूसरा युवक गंभीर घायल

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। सैनी कोतवाली के नगर पंचायत अझुवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती देर रात बाइक सवार युवक स्पीड ब्रेकर से अनियंत्रित हो गए जिसमे बाइक चला रहे युवक की दर्दनाक मौत हो गई वहीं पीछे बैठा युवक गंभीर घायल हो गया मौके पर पहुंची चौकी पुलिस कागजी कार्रवाई में जुट गई। घटनाक्रम के मुताबिक अनूप त्रिपाठी उम्र तकरीबन 40 वर्ष पुत्र स्व. अयोध्या प्रसाद निवासी नानकारी आईटी कानपुर और उसका साथी विवेक दीक्षित 42 वर्ष सुखदेव निवासी आवास विकास कालोनी हस्पुरम नौबस्ता कानपुर में रहते हैं। उपरोक्त दोनों व्यक्ति बनारस शहर में प्राइवेट कार्य करते हैं बीती देर शाम 11बजे बाइक से अपने घर कानपुर जा रहे थे नगर पंचायत अझुवा प्रयाग राज कानपुर लेन में बने भोला चौराहा के निकट स्पीड ब्रेकर से अनियंत्रित होकर दोनो बाइक सवार सड़क पर गिर गए जिसमे अनूप बीच सड़क बने डिवाइडर से टकरा गया जिससे उसका सिर फट गया दुर्घटना से मौके पर लोगों का मजमा लग गया लोगों की सूचना पर चौकी इंचार्ज अझुवा अरुण कुमार मौर्य ने एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा जहां डॉक्टर ने युवक को देखते हुए मृत्यु की घोषणा कर दी वहीं विवेक दीक्षित गंभीर घायल हो गया था जिसका सिराथू अस्पताल में इलाज चल रहा है मृत युवक के परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दी है आज भोर में ही परिजन रोते बिलखते घटनास्थल पहुंच गए ,चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।नगर के लोगों ने स्पीड ब्रेकर में संकेतांक लगाने की मांग की है जिससे हो रही दुर्घटनाओं में कमी आ सके।

बालिका बेचने के तीन आरोपी गिरफ्तार

कौशांबी। थाना कोखराज क्षेत्र की एक बालिका को 3 लाख रुपए लेकर बेंच दिया गया था पुलिस ने खरीदने वाले राजस्थान के युवक के साथ दो अन्य लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है बालिका बिक्री की 3 लाख की रकम किसके पास है इस बात का खुलासा पुलिस नहीं कर सकी है पुलिस ने मामले में दुष्कर्म का मुकदमा लिखा है पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म के 03 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेजा गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक भोले निवासी राजस्थान लवकुश पासी निवासी पहाड़िया और काजल उर्फ संगीता निवासी बालक मऊ को बालिका को खरीदने और बेचने के मामले में गिरफ्तार किया गया था लेकिन बाद में दुष्कर्म के मामले अदालत में पेश किया गया।

आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कौशाम्बी। आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले दो आरोपियों को सराय अकिल पुलिस ने गिरफ्तार किया है पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रमोद कुमार व सरिता देवी पर आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज है जिनकी तलाश पुलिस कर रही थी थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा दोनों वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेजा गया।

डायट में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। राजकीय माध्यमिक विद्यालय के नवनियुक्त सहायक अध्यापक एवं प्रवक्ताओं का 6 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम जिला शिक्षा एव प्रशिक्षण संस्थान डायट मंझनपुर कौशांबी के सभागार कक्ष में आयोजित किया गया ।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 अगस्त .2023 से 17 अगस्त 2023 तक चलेगा। उक्त कार्यक्रम के प्रथम दिवस की शुरूआत प्राचार्य उप शिक्षा निदेशक डायट कौशांबी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ सच्चिदानंद यादव ने कहा कि उन्मुखीकरण प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षक शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न जानकारी प्राप्त कर सकें एवं विभागीय कार्यशैली से अवगत होगे जिससे वह अपने कार्य क्षेत्र में बेहतर कार्य कर पाएंगे आपने शिक्षकों की तुलना दीपक से की ताकि उनके द्वारा अनवरत रूप से छात्रों का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। डायट की प्राचार्य उप शिक्षा निदेशक श्रीमती भारती त्रिपाठी ने बताया कि शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान अपने अधिकारों, कर्तव्यों विभागीय जानकारी तथा विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत हो सकेंगे संस्थान के प्रभारी वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ अनिरुद्ध श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में राज्य एवं राष्ट्र स्तरीय संस्थाओं के बारे में विस्तार जानकारी प्रदान की। डॉक्टर दिनेश यादव प्रवक्ता डायट कौशांबी ने समग्र शिक्षा विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के नोडल प्रभारी डॉक्टर संदीप तिवारी तथा सुरेश चंद्र ने 6 दिवसीय प्रशिक्षण के विभिन्न कराए जाने वाले व्याख्यानों गतिविधियों एवं क्रियाकलापों के बारे में विस्तृत प्रकाश डाला। इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत डायट परिसर पर वृक्षारोपण किया गया। प्रथम दिवस की उन्मुखीकरण कार्यक्रम के अवसर पर विपुल शिवसागर वरिष्ठ प्रवक्ता डायट शुभम पांडे प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज सिद्दीकी प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज सहित संस्थान के प्रवक्ता कौशलेंद्र मिश्र प्रमोद सेठ सुश्री शबनम सिद्दीकी डॉक्टर अनामिका सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

लापरवाही से हुई जच्चा बच्चा की मौत की जांच करने पहुंचे स्वास्थ्य अधीक्षक

दोषी जनों पर कार्रवाई का दिया आश्वासन

अझुवा कौशांबी। नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अझुवा में बीते कल गुरु वार को प्रसव के दौरान जच्चा बच्चा की मौत हो गई थी जिसमे परिजनों ने जमकर हंगामा किया था आज शुक्रवार को इस्माइल पुर स्वास्थ्य अधीक्षक डा. मोहम्मद साऊद जांच करने पहुंचे हैं उन्होंने स्वास्थ्य अभिलेखों का गहनता से छानबीन कर जांच की है इस दौरान उन्होंने उपस्थित तमाम लोगों से बात कर हकीकत जानने का प्रयास किया है। बता दें कि बीते कल गुरुवार को नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अझुवा में वार्ड नंबर 1 भौंतर नगर पंचायत निवासी राम अवध की 28 वर्षीय पत्नी कौशल्या देवी और उसके नवजात पुत्र की अस्पताल में कार्यरत नर्स पूर्णिमा सिंह की कथित लापरवाही से मौत हो गई थी। जिस पर परिजनों ने जमकर हंगामा मचाया था कि कमीशन और धन लोलुपता से जच्चा बच्चा की मौत हुई है लोगों ने आरोप लगाते हुए बताया था कि इससे पहले भी पूर्णिमा सिंह की लापरवाही और कमीशन खोरी के चलते प्रसूता महिलाओं की मौत हुई है डा. सऊद ने कागजी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

दोस्तो संग गंगा नहाने गया किशोर गंगा में डूबा

पुलिस और गोताखोर कर रहे डूबे हुए युवक की तलाश

हर्रायपुर कौशाम्बी जिले के संदीपनघाट थाना क्षेत्र में दोस्तो के साथ गंगा नहाने गया किशोर अचानक गहरे पानी में चला गया,दोस्तो के शोर मचाने पर पर गंगा में कूदकर स्थानीय लोगो ने खोजा लेकिन वह नही मिला,इसकी सूचना संदीपन घाट थाना पुलिस को दी गई,सूचना पर पहुंची पुलिस और गोताखोर किशोर को खोजने में जुटे हुए है। जानकारी के मुताबिक संदीपन घाट थाना क्षेत्र के बदनपुर गांग घाट में शुक्रवार को दोस्तो के साथ अंकित उम्र 18 वर्ष पुत्र विनोद निवासी ग्राम बलिहावां गंगा नहाने गया हुआ था, जो नहाते नहाते गहरे पानी में चला गया और वह डूब गया, किशोर के डूब जाने से घाट पर शोर होने लगा, जिसके बाद मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दिया गया, लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किशोर को जाल डलवाकर खोजने का प्रयास किया लेकिन खबर लिखे जाने तक किशोर बरामद नहीं हो सका।वही घटना की सूचना जैसे ही परिजनो को मिली वह भी रोते बिलखते गंगा घाट पर पहुंच गए,परिजनो के गंगा घाट पर पहुंचने पर कोहराम मचा हुआ है।

निशानेबाज पुलिस की फायरिंग से गोकशी कर रहा युवक लहूलुहान

गोकशी कर रहे लोगो ने पुलिस टीम पर की फायरिंग निशाना चूका, गजब रहा जब पुलिस की फायरिंग से गोकशी कर रहे घायल युवक के पैर में पुलिस ने मौके पर बांधी पट्टी

अखंड भारत संदेश

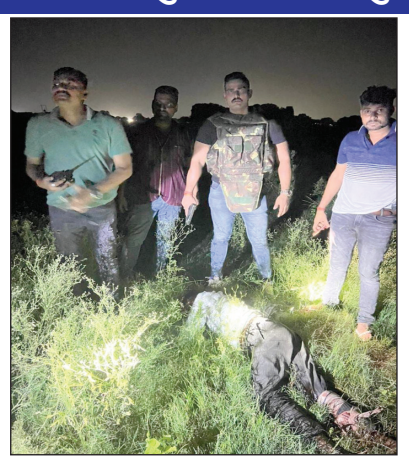

कौशाम्बी। योगी सरकार के सख्त आदेश के बावजूद जनपद में गोकशी पर रोक नही लग रही है,आए दिन जिले में गोकशी के मामले सामने आ रहे है,गोकशी करने वाले वाले लोगो और पुलिस टीम के बीच देर रात मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के कादीपुर समदा गांव के पास मुठभेड़ हो गयी पुलिस को देख कर गोकशी कर रहे लोगों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी जवाब में पुलिस टीम ने भी गोकशी कर रहे लोगों पर फायरिंग की लेकिन गोकशी करने वालों का निशाना चूक गया और निशानेबाज पुलिस का निशाना सटीक लगा और गोकशी कर रहे एक युवक के पैर में गोली लग गई और युवक जमीन पर गिर पड़ा दौड़कर पुलिस ने गौकशी कर रहे युवक को कब्जे में ले लिया और वहीं पर गोली लगे पैर में उसकी पट्टी बांध दी उसके बाद पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। मिली जानकारी के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के समदा कादीपुर के पास कई दिनों से पुलिस को गोकशी किए जाने की सूचना मिल रही थी गुरुवार की देर रात मंझनपुर पुलिस और एसओजी की टीम को गौकशी किए जाने की जानकारी मिली जिस पर पुलिस टीम ने गोकशी कर रहे लोगों की घेराबंदी की तो गोकशी करने वालों ने पुलिस पर फायर कर दिया,पुलिस ने जवाबी फायरिंग शुरू कर दी अपराधियों की फायरिंग में तो पुलिस ने अपने को बचा लिया लेकिन निशानेबाज पुलिस की फायरिंग में अपराधी अपने को नहीं बचा सके और गौकशी में लगे एक युवक के पैर में पुलिस की गोली लग गयी है और वह तड़पने लगा जमीन पर गिर पड़ा मौके पर ही पुलिस ने उसके पैर में पट्टी बांध दी अंधेरे का फायदा उठाकर एक युवक मौके से फरार हो गया है।घायल युवक की पहचान दिलशाद पुत्र तिरहू निवासी समदा मंझनपुर के रूप में हुई है।पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है वही पुलिस टीम को मौके से गोकशी करने वाला समान और लगभग 60 किलो गोमांस भी बरामद हुआ है।जिसके लिए जांच टीम लगाई गई है,वही फरार युवक के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है जिसकी तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही है।

आजादी के अमृत महोत्सव : हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत

आदर्श नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में चेयरमैन ने घर-घर बांटा तिरंगा

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत देश भर में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है आज शुक्रवार को आदर्श नगर पंचायत अझुवा चेयरमैन शांती देवी कुशवाहा ने नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में घर घर जाकर तिरंगा वितरण किया है चेयर मैन शांती देवी कुशवाहा ने बताया13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा इसके तहत लोगों को अपने अपने घरों,दुकानों,प्रतिष्ठानों पर तिरंगा झंडा लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है उन्होंने कहा कि झंडे के साथ हमारा संबंध सदैव व्यक्तिगत की बजाए औपचारिक और संस्थागत रूप में अधिक रहा है आजादी के 75वें वर्ष के दौरान एक राष्ट्र के रूप में झंडे को सामूहिक रूप से घर पर लाना न केवल तिरंगे के साथ हमारे व्यक्तिगत संबंध का प्रतीक है बल्कि वह राष्ट्र निर्माण में हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर घर झंडा अभियान लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जागृत करने और अपने प्यारे देश के राष्ट्रीय झंडे के बारे में जागरूकता बढ़ाने का कार्य कर रहा है इस दौरान नगर पंचायत के वरिष्ठ लेखा लिपिक साकेत चंद्र श्रीवास्तव ने कहा इस अभियान के तहत जागरूकता के साथ 15 अगस्त के बाद झंडा उतार कर सुव्यवस्थित सुचारू रूप से लोगों को रखने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश कुशवाहा,सभासद कौशल्या देवी, वरिष्ठ पूर्व सभासद फूलचंद्र केसरवानी,सभासद प्रतिनिधि सुरेश मौर्य, सोनू अग्रहरी,ऋषभ केसरवानी तावड़े,राजू केसरवानी नगर पंचायत कर्मी मनोज गौतम सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

महिला थाना पुलिस टीम ने किया पैदल गश्त

कौशाम्बी। जनपद में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत महिला थाना पुलिस टीम द्वारा मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त किया गया तथा आमजनमानस से वार्ता कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया व संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चेकिंग की।

विभिन्न थाना पुलिस ने किया पैदल गस्त

कौशाम्बी। जनपद में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत थाना चरवा कोखराज सैनी संदीपनघाट मंझनपुर कड़ा धाम करारी पश्चिम शरीरा पिपरी सहित विभिन्न थाना पुलिस टीम ने अपने थाना क्षेत्र के मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त किया तथा आमजनमानस से वार्ता कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया व संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चेकिंग की गई।

न्यूज झरोखा

अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने की अभियोजन सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ0 विश्राम द्वारा उदयन सभागार में अभियोजन सम्बन्धी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई बैठक में अभियोजन अधिकारी श्रीमती अल्का एवं विनोद कुमार ने जुलाई माह के कार्यवृत्त प्रस्तुत किये, जिसमें यह पाया गया कि सत्र-न्यायालय में निस्तारित मुकदमों में सजा का प्रतिशत कम है तथा अधिकांश जमानत स्वीकृत हुई है, जिस पर अपर जिलाधिकारी ने प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दियें। अभियोजन द्वारा बताया गया कि मुकदमें के परीक्षण में गवाह की उपस्थिति कम रहती हैं, जिससे निस्तारण का प्रतिशत कम रहता है। परीक्षण के दौरान माल मुकदमाती न्यायालय में समय से उपस्थित नहीं किया जाता है। यह भी बताया गया कि कुछ आपराधिक मुकदमों में शासन के प्रतिकूल निर्णय हुए हैं, जिनके विरूद्ध अपील दाखिल करने को प्रस्तावित किया गया है। अपर जिलाधिकारी ने सभी अभियोजन अधिकारी एवं शासकीय अधिवक्ताओं को निर्देशित किया कि प्रभावी पैरवी करते हुए अधिक से अधिक सजा दिलायी जाय। इसके साथ ही उन्होंने अभियोजन अधिकारियां को गैगेस्टर ऐक्ट, एस0सी0/एस0टी0, महिला उत्पीड़न और पाक्सों के मामलों में विशेष ध्यान देते हुए प्रभावी पैरवी करने के भी निर्देश दिये।

दलित के घर में लगी आग लाखों का हुआ नुकसान

कौशांबी। चायल तहसील क्षेत्र के नेवादा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत दरहा निवासी अभिषेक कुमार पासी के घर में बीती रात को अचानक आग लग गई जिस कमरे में आग लगी उसी में परिवार के लोग सो रहे थे पूरे कमरे में धुआं भर गया है रात 3 बजे लगभग जब परिजनों का दम घुटने लगा तो परिवार के लोग जाग गए यह तो संयोग अच्छा था कि परिवार के लोगों की नींद खुल भाई और परिवार के लोग कमरे से बाहर निकल आए वरना बड़ा हादसा होता जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई और बाहर की दीवार तोड़ कर के अंदर पानी डालकर आग बुझाया गया है इस अग्निकांड में घर के अंदर रखा कई बोरा गेहूं एक बोरा सरसों सहित अन्य अनाज टेलीविजन फर्नीचर की लकड़ी व गृहस्थी का अन्य सामान जल गया है अग्निकांड से मकान को भी नुकसान हुआ है इस घटना में लाखों रुपए का नुकसान बताया जाता है परिवार के सामने समस्याएं आ गयी हैं मामले की सूचना पुलिस के साथ राजस्व प्रशासन को दी गई है मौके पर लेखपाल निरीक्षण करने पहुंचे हैं और सरकारी दैवीय आपदा योजना की राहत राशि स्वीकृत करने का भरोसा राजस्व लेखपाल ने पीड़ित को दिया है।

भवंस मेहता पीजी कालेज के छात्र छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। जिले के भवंस मेहता पीजी कॉलेज भरवारी में शासन द्वारा निर्धारित आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया,कार्यक्रम के प्रभारी असिस्टेंट प्रोफेसर धर्मेंद्र अग्रहरी के नेतृत्व में कालेज के छात्र छात्राओं ने तिरंगा यात्रा निकाली। भवन्स मेहता पीजी कालेज की प्रभारी प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉक्टर रूबी चौधरी द्वारा छात्र एवम छात्राओं की तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया,यह तिरंगा यात्रा भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष के साथ कालेज से होते हुए भरवारी कस्बे में भ्रमण करते हुए कालेज में पहुंचकर समाप्त हुई इस दौरान कालेज के प्रोफेसर विवेक त्रिपाठी निराला,धर्मेंद्र अग्रहरी,स्वेता सिंह,डाक्टर रूबी चौधरी,चुम्मन प्रसाद श्रीवास्तव सहित सभी कालेज के प्रोफेसर और स्टॉफ मौजूद रहे।

स्कूली छात्र-छात्राओं व ग्राम प्रधान ने सामूहिक रूप से निकाली प्रभात फेरी

कोखराज कौशाम्बी। मेरी माटी मेरा देश अभियान का शुभारंभ पूरे देश भर में 9 अगस्त से हो रहा इसी क्रम में सिराथू तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा कशिया पश्चिम के कम्पोजिट स्कूल में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को बड़ी धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम के समापन अवसर पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को कशिया पश्चिम स्कूल के प्रधानाचार्य सचिन ओझा की अगुवाई में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी स्कूली छात्र-छात्राओं की प्रभात फेरी गांव के मुख्य मार्ग से सामूहिक रूप से निकाली गयी। स्कूली बच्चे हाथ में झंडा लेकर प्रभात फेरी रैली में शामिल हुए और मेरी माटी मेरा देश का नारा लगाते रहे मेरी माटी मेरा देश शहीदों के नाम पर उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई गई मौके पर उपस्थित छात्र-छात्राओं ने कहा कि भारत देश को विकसित देश बनाएंगे गुलामी की मानसिकता को जड़ से निकाल फेकेंगे देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करेंगे एकता और एकजुटता के लिए कर्तव्य बध्द रहेंगे नागरिक के कर्तव्य निभाएंगे देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करेंगे भारत को 2047 में विकसित देश बनाने का सपना साकार करेंगे अध्यापकों द्वारा मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत प्रभात फेरी तिरंगा यात्रा निकाली गयी कम्पोजिट स्कूल कशिया प्रांगण में सामूहिक तिरंगा झंडा वंदन कार्यक्रम हुआ एवं सभी ने मिट्टी हाथ में लेकर शपथ लिया और देश के प्रति अपनी सदभावना जाहिर किया मौके पर ग्राम प्रधान पंचम लाल चौधरी, आदेश चौधरी, अध्यापक, विनीत दिवाकर, संघप्रिया, रुचि मिश्रा, कमलेश व लाल बहादुर, छेददू लाल,आदि लोगों की उपस्थित रही।

नेशनल इंटर कॉलेज भरवारी में एनसीसी नामांकन 2023-24 सफलतापूर्वक हुआ संपन्न

भरवारी कौशाम्बी। नेशनल इंटर कॉलेज भरवारी कौशांबी में 11 अगस्त को एनसीसी नामांकन 2023 24 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ इस दौरान एनसीसी सीईओ यस वेंकटेश जेसीओ दलबीर सिंह हवलदार सुरेंद्र सिंह सीएचएस अजीत राय लिपिक केके यादव एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट पंकज कुमार विद्यालय के प्रबंधक रवि नारायण तिवारी प्रधानाचार्य कलीम अहमद शिक्षक भुवनेश्वर कुमार तिवारी अरुण कुमार द्विवेदी भारत लाल शर्मा अजय कुमार संतोष सिंह यादव गंगा प्रसाद राजेश कुमार अस्थाना कमलेश कुमार तिवारी माया तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

अवैध शराब कारोबारी से 12 लीटर शराब बरामद, 2 कुंतल लहन कराया नष्ट

अझुवा कौशांबी। नगर पंचायत अझुवा क्षेत्र में एक समय शराब कारोबार की तूती बोलती थी यहां की बनने वाली अवैध शराब दूसरे जिलों तक में बेंची जाती थी लेकिन हालात बदले प्रशासन जागा बराबर कार्रवाई होती रही जिसका परिणाम रहा अब यदा कदा शराब कारोबार सुनाई देता है या न के बराबर कारोबार बचा है क्षेत्रीय पुलिस उच्च अधिकारियों के आदेशानुसार बराबर कार्रवाई करती जा रही है जिससे अवैध शराब कारोबारियों के हौसले पस्त पड़ गए हैं आज शुक्रवार को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि वार्ड नंबर 3 शान्ति नगर में एक अवैध शराब कारोबारी शराब का निर्माण कर रहा है चौकी इंचार्ज अरुण कुमार मौर्य ने मय हमराहियों उसके घर में छापा मार दिया जिससे कारोबारी के पास 12 लीटर अपमिश्रित शराब बरामद हुई एवम 2 कुंटल अर्धनिर्मित शराब लहन मिला है जिसे मौके पर ही नष्ट करवा दिया है शराब उपकरणों के साथ युवक चुर्रा उर्फ चंद्र प्रकाश पुत्र स्वर्गीय सुखराम को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की है।

संपादक की कलम से

खाद्य महंगाई के लिए सरकार की अदूरदर्शितापूर्ण नीतियां जिम्मेदार

डॉ. लखन चौधरी

अब समय आ गया है कि धान उत्पादन के रकबा को हतोत्साहित करते हुए दलहन, तिलहन, दूध, फल, सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए सब्सिडी बढ़ाई जाये। इनके भंडारण की समुचित सरकारी व्यवस्था करनी होगी, जिससे महंगाई पर रोक लगाई जा सकती है। देश में भंडारण की व्यवस्था असल में निजी हाथों में है, जो जमाखोरी एवं कालाबाजारी जैसी अनैतिक व्यवस्थाओं को जन्म देकर मुनाफा वसूली करती हैं, जिससे महंगाई बेलगाम हो जाती है। क्रिसिल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार टमाटर, अदरक सहित तमाम सब्जियों, मसालों, दालों एवं चावल की कीमतों में वृद्धि की वजह से वेज थाली 34 फीसदी महंगी हो चुकी है, जबकि नॉन वेज थाली मात्र 13 फीसदी हुई है। देश में जून, जुलाई महिने के बाद लगातार तीसरे महिने अगस्त में खाद्य महंगाई अपने अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच कर रिकॉर्ड बना रही है। दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में टमाटर, हरी मिर्च, धनिया, अदरक अभी भी 200-250 रुपए के पार चल रहे हैं। आटा, दाल, दूध, मसाले सहित रोजमर्रा की तमाम जरूरी खाद्य सामग्रियों की कीमतें भी जुलाई महिने में अपने 'ऑल टाईम हाई' लेबल पर खेल रहीं हैं। आम आदमी बेबस और लाचार है, मगर सरकार मानने को तैयार नहीं है कि देश में महंगाई है? सरकार दावा कर रही है कि देश में थोक महंगाई दर पिछले 8 साल के निचले स्तर पर आ गई है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले देश के लगभग 55-60 करोड़ लोगों की रसोई का सारा खेल बिगड़ चुका है। गरीबों और मध्यमवर्ग की थाली से टमाटर, हरी मिर्च और हरी धनिया की चटनी गायब है। देश की आधी आबादी यानि लगभग 70-72 करोड़ लोग खाद्य महंगाई की चपेट में आ चुके हैं, लेकिन सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि देश में लगातार तीसरे महीने थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है। जून महीने में थोक महंगाई दर 4.12 फीसदी पर आ गई है। सरकार तर्क दे रही है कि जून में थोक महंगाई की दर में गिरावट मुख्य रूप से मिनरल ऑयल्स, खाने-पीने की चीजें, बेसिक मेटल्स, क्रूड पेट्रोलियम और नेचुरल गैस और कपड़ों की कीमतें कम होने के कारण आई है। सवाल उठता है कि आखिरकार बाजार की वास्तविक महंगाई और महंगाई के सरकारी आंकड़ों को लेकर इस कदर विरोधाभास क्यों है? यदि वास्तविकता में महंगाई दरें सामान्य हैं, तो फिर खाने-पीने की चीजों की कीमतें आसमान क्यों छू रहीं हैं? महंगाई को अक्सर आंकड़ों में दिखाने, प्रस्तुत करने, समझने की कोशिश की जाती है। ठीक है कि महंगाई की आंकड़ों की भाषा होती है, लेकिन इसके इतर आम जनजीवन पर महंगाई का व्यापक प्रभाव एवं असर होता है। महंगाई की वजह से आम आदमी के खान-पान, रहन-सहन एवं जीवन स्तर में गुणात्मक गिरावट आ जाती है। महंगाई का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। सामान्य महंगाई यानि मुद्रास्फीति से उत्पादकों को मुनाफा होता है, जिससे निवेश एवं रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, लेकिन दीर्घकाल में उपभोक्ताओं पर इसका बुरा या नकारात्मक प्रभाव पढ़ता है। उपभोक्ताओं की वास्तविक आय घट जाती है, और अंततः बाजार में मांग सिकुड़ने लगती है। इसकी वजह से उत्पादक इकाईयां बंद होने लगती हैं। कुल मिलाकर सामान्य से अधिक महंगाई सबके लिए हानिकारक ही होती है। सरकार के अनुसार जून में खुदरा यानि फुटकर महंगाई 4.81 फीसदी पर पहुंच गई है। मई में यह 25 महीने के निचले स्तर 4.25 फीसदी पर आ गई थी। सरकार का तर्क है कि जून में सब्जियों की ऊंची कीमतों के कारण महंगाई बढ़ी है। तेज गर्मी, असमय बारिश जैसी प्राकृतिक घटनाओं ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है जिससे सब्जियों के दाम बढ़े हैं।

हिंसक व्यवहार संक्रामक प्रक्रिया

डॉ अरुण मित्रा

सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है क्योंकि हिंसक व्यवहार संक्रामक प्रक्रिया है और इससे समान तरीके से निपटना होगा। प्रेम, सहानुभूति, और दूसरों की देखभाल पर जोर देकर सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना है। फैलाये जा रहे झूठ को बेनकाब करें। तर्क और प्रमाण पर बात करें। कमजोरों और वंचितों के प्रति विनम्र रहें और हमारे समाज में उन हाशिए पर रहने वाले लोगों के खिलाफ दृढ़ रहें जो हमारे देश में सामाजिक सद्भाव के नाजुक संतुलन को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में हाल की घटनाओं ने भारतीय समाज के समझदार तत्वों की चेतना को झकझोर कर रख दिया है। आजादी के समय शिक्षा का स्तर बहुत निम्न था, गरीबी चरम पर थी, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) मात्र 2.7 लाख करोड़ था वह भी 34 करोड़ की आबादी के लिए, जो दुनिया की कुल जीडीपी का लगभग 3 फीसदी ही था। उस समय भी भारत के लोगों ने धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र पर आधारित संविधान को अपनाने का विकल्प चुना। यह इसके बावजूद था कि विभाजन के समय बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक दंगे हुए थे और दुनिया में अब तक का सबसे बड़ी जनसंख्या विस्थापन हुआ था। इन घटनाओं ने भी सौहार्द्रपूर्ण समाज के लिए लोगों के निर्णय को नहीं रोका। बीच की कुछ घटनाओं को छोड़ दें तो देश के लोग तब से एक-दूसरे के प्रति बिना किसी नफरत के एक साथ रहते आ रहे हैं। अब, जब हम सभी क्षेत्रों में विकसित हो गये हैं और 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा कर रहे हैं, तो हमारे लोगों का एक वर्ग सांप्रदायिक आधार पर और दूसरों के खिलाफ नफरत से भर गया है और उनके मन में पूर्वाग्रह पैदा हो गया है। समाज के एक वर्ग द्वारा विकसित की गई यह मानसिकता मानवतावाद की उस अवधारणा के खिलाफ है जिसके लिए भारत हमेशा खड़ा रहा है। जनता को कट्टरता, झूठे प्रचार और मनगढ़ंत इतिहास से बहकाया जा रहा है। जाति, धर्म, जनजाति, और जातीयता के आधार पर दूसरों के प्रति नफरत के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इससे दूसरों के प्रति सहानुभूति और करुणा की हानि होती है।

इतिहास में दर्ज है कि भारत के विभाजन के समय सांप्रदायिक दंगों में 25 लाख से अधिक लोग मारे गए थे। वे हिंदू, सिख और मुस्लिम तीनों समुदायों के थे। नफरत अविश्वास को जन्म देती है जो आगे चलकर एक-दूसरे के खिलाफ हिंसा में तब्दील हो जाती है। हमने इसे 1984 में सिख विरोधी तथा 2002 में गुजरात में मुस्लिम विरोधी नरसंहार के दौरान देखा था। ऐसी ही स्थिति कश्मीर में भी विकसित हुई जब अल्पसंख्यक कश्मीरी पंडितों को आतंकवादी खतरे और राज्य सरकार के रवैये के तहत पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसलिए भारत में इस समय जो कुछ हो रहा है, वह कोई नई घटना नहीं है, बल्कि अतीत में ऐसी ताकतें जो करने की कोशिश करती रही हैं, उसका ही एक सिलसिला है। जिन अल्पसंख्यकों को हिंदुओं की बहुसंख्यक 80 फीसदी आबादी के लिए खतरा माना जा रहा है, उनके खिलाफ एक सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा है। मुसलमानों के तुष्टिकरण जैसे मिथक लोगों के दिमाग में घर कर गये हैं और यह भी कि वे मशरूम की तरह उगेंगे और चार पत्नियों से शादी करेंगे और जल्द ही हिंदू आबादी से आगे निकल जायेंगे। इस घृणा अभियान में तर्क या सबूत का अभाव है। ये बेतुके विचार इलेक्ट्रॉनिक टीवी मीडिया, सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया और कानाफूसी अभियानों के माध्यम से फैलाये जाते हैं। ऐतिहासिक धारावाहिक कहे जाने वाले कई टीवी धारावाहिकों का इस्तेमाल बहुत ही सूक्ष्म तरीके से झूठ और नफरत फैलाने के लिए किया जा रहा है।

ऐसी स्थितियों में महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। स्त्री के शरीर को संघर्षों में एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया गया है। मणिपुर की घटना, जहां महिलाओं को नग्न घुमाया गया और उनके साथ छेड़छाड़ की गई, को घृणा, क्रोध और हमारी सामाजिक व्यवस्था में गंभीर विचलन के प्रतिबिंब के रूप में देखा जाना चाहिए। स्थिति के प्रति राज्य की पूरी असंवेदनशीलता इस बात पर संदेह पैदा करती है कि क्या इन घटनाओं को राज्य के संरक्षण में किसी गुप्त उद्देश्य के साथ अच्छी तरह से योजनाबद्ध किया गया है। घृणा अभियान अपने आप नहीं रुकते। अब हरियाणा में साम्प्रदायिक दंगे कराये गये हैं। नफरत फैलाने वाले खुलेआम घूम रहे हैं जबकि पीड़ितों पर अत्याचार किया जा रहा है। यूपी, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसी ही घटनाएं होती रहती हैं। अगर अभी इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो इससे गुजरात या मणिपुर के स्तर की बड़े पैमाने पर हिंसा हो सकती है।

जो ताकतें इस तरह के नफरत भरे अभियान चलाती हैं, वे हमेशा यह प्रयास करती रहती हैं कि वे कैसे जनता को अपने पक्ष में कर सकें। 1995 में देशभर में भगवान गणेश की दूध पीती प्रतिमा की घटना बेहद सफल परीक्षण थी। यह संदेश कुछ ही समय में पूरे देश में फैल गया, जबकि उस समय कोई सोशल मीडिया नेटवर्क नहीं था। जब लगा कि पूरा मिथक उजागर हो जायेगा तो यह तुरंत रुक गया। गौरतलब है कि इसके बाद गुजरात में हिंसा हुई थी। यह आश्चर्यजनक है कि महात्मा गांधी की भूमि पर ऐसी अभूतपूर्व हिंसा हुई। ऐसी स्थितियों पर काबू पाने में डॉक्टर सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। समाज के स्वास्थ्य के संरक्षक के रूप में डॉक्टरों का कर्तव्य है कि वे अपनी बात कहें और उचित निर्णय लें। उन्हें आगे आना होगा और सद्भाव, प्रेम, और भाईचारे का प्रचार करने के लिए सम्पर्क कार्यक्रम बनाने होंगे। ऐसी स्थितियों में पीड़ित लोगों में आत्मविश्वास विकसित करने में डॉक्टर एक बड़ा साधन हो सकते हैं। विक्टर फेंकल, एक ऑस्ट्रियाई मनोचिकित्सक, जो नरसंहार से बचे थे, ने नाजी एकाग्रता शिविरों में कैदियों को बेहतर भविष्य की आशा कभी नहीं खोने के लिए प्रेरित करने का एक महान काम किया। अपने लगातार प्रयासों से वह हिटलर के युद्ध हारने के बाद कई लोगों को मरने से बचाने और जीवित रहने में सक्षम बनाया था। हमारी आवाज मायने रखती है। लेकिन हमारी चुप्पी पेंचीदा और कर्तव्य के प्रति लापरवाही हो सकती है। नफरत फैलाने वालों की लगातार धमकियों और राज्य की संदिग्ध भूमिका के बावजूद बदलाव आ रहा है। कई वैज्ञानिक जो अब तक शांत थे, मिथकों और अवैज्ञानिक विचारों को चुनौती देने लगे हैं। ताली और थाली बजाने वाले डॉक्टरों को अब एहसास हो गया है कि यह कोविड से छुटकारा पाने का वैज्ञानिक तरीका नहीं था। अंततः हमें 1600 डॉक्टरों की जान की कीमत पर महामारी से लड़ना पड़ा। गौमूत्र या गोबर अभियान का कोई भी अभियान काम नहीं आया। कई डॉक्टर इस बात को समझते हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि उन्हें बोलने की हिम्मत जुटानी चाहिए। घृणा अभियानों का राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर मुकाबला किया जाना चाहिए। डॉक्टरों को चुप नहीं बैठना है बल्कि देश को इस संकट से बाहर निकालने के उपाय खोजने हैं। डॉक्टर अपने मरीजों के साथ संवाद कर सकते हैं और नरम स्वर में प्यार और करुणा की बात कर सकते हैं जो हमारे पेशे का एक हिस्सा है। फिर उनसे उनकी भाषा में बात करें। हमें उन ताकतों की पहचान करने से नहीं कतराना चाहिए जो सौहार्द्र बिगाड़ने पर तुले हुए हैं। हमें यह समझना होगा कि इस तरह की हिंसा एक महामारी स्वास्थ्य समस्या है और इस प्रकार योजना बनायें जैसे हम अन्य बीमारियों के लिए करते हैं। प्राथमिक रोकथाम दृष्टिकोण स्थिति को खराब होने से रोकना है और हिंसा शुरू होने से पहले हिंसा को रोकना है। द्वितीयक रोकथाम जोखिम वाली आबादी और अंतर्निहित जोखिम कारकों को लक्षित करना है। सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है क्योंकि हिंसक व्यवहार संक्रामक प्रक्रिया है और इससे समान तरीके से निपटना होगा। प्रेम, सहानुभूति, और दूसरों की देखभाल पर जोर देकर सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना है। फैलाये जा रहे झूठ को बेनकाब करें। तर्क और प्रमाण पर बात करें। कमजोरों और वंचितों के प्रति विनम्र रहें और हमारे समाज में उन हाशिए पर रहने वाले लोगों के खिलाफ दृढ़ रहें जो हमारे देश में सामाजिक सद्भाव के नाजुक संतुलन को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

समय आ गया है कि हम चुप्पी तोड़ें।
गलत के सामने कभी बगलें न झांकें।।

मणिपुर को न्याय मिलेगा?

पिछले कुछ माह से उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर में हिंसा और उत्पीड़न के शिकार हुए लोगों के दर्द की अनेक कहानियां सामने आने लगी हैं परन्तु उन्हें न्याय मिलेगा या नहीं, इसके बारे में कोई भी निश्चिंत नहीं है। उसका कारण है केन्द्र व उस राज्य की सरकार की चुप्पी और वहां की स्थिति को छिपाने की निर्लज्ज कोशिशें। मई के पहले हफ्ते में हुई उस घटना के वीडियो वायरल होने के बाद देश-दुनिया में तो भारत की किरकिरी हुई ही, हर भारतीय का सिर शर्म से झुक गया जिसमें दो कुकी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाते हुए दिखाया गया है। उनमें से एक का सामूहिक बलात्कार भी हुआ। जुलाई में इस घटना के उजागर होने के बाद भी डबल इंजन की सरकार तो चुप रही परन्तु सुप्रीम कोर्ट सामने आया और उसने स्वतः संज्ञान लेकर दोनों ही सरकारों से सवाल किये। इसके बाद भी सरकारों के मौन रहने के बाद लोगों को इस बात की कोई उम्मीद नहीं थी कि मणिपुर के पीड़ितों को न्याय मिल पायेगा क्योंकि वहां के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को यह कहने में तनिक भी संकोच नहीं हुआ कि 'ऐसी सैकड़ों घटनाएं उनके राज्य में घट रही हैं।इ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वहां के लोगों से मिलकर उनके दुख-दर्द सुनने, उनके घावों पर मरहम लगाने और शांति बहाली की जरूरत महसूस तक नहीं हुई। मणिपुर को उसके हाल पर छोड़कर पीएम देश के भीतर चुनावी मोड में बने रहे या विदेश यात्राएं करते रहे। संसद के मानसूत्र सत्र के ठीक पहले उन्हें इसलिये यह संक्षिप्त बयान देना पड़ गया कि वे मणिपुर की घटनाओं से क्रोध व पीड़ा से भर गये हैं. क्योंकि उसी सुबह सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर दोनों सरकारों को चेतावनी दे दी थी कि अगर वे कुछ नहीं कर सकतीं तो शीर्ष न्यायालय आवश्यक कार्रवाई करेगा। मोदी ने अपनी पीड़ा और क्रोध का इजहार तो किया लेकिन सरकार क्या कर रही है इसके बारे में वे मौन रहे। संसद के भीतर भी उन्होंने कोई अधिकृत वक्तव्य नहीं दिया। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि राज्य सरकार को उनके क्या निर्देश हैं और केन्द्र सरकार इस पर क्या करने जा रही है। कुछ माह पहले ही, यानी हिंसा व साम्प्रदायिक दंगों के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मणिपुर का दौरा कर आये थे और अधिकारियों की बैठक कर चुके थे। उन्होंने भी देश को वहां की वस्तुस्थिति से अवगत कराना मुनासिब नहीं समझा। जहां तक बीरेन सिंह की बात है, वे तो बता ही चुके थे कि ऐसी घटनाएं बड़े पैमाने पर हुई हैं। अलबत्ता उन्होंने अपने समर्थकों के बीच इस्तीफा देने का नाटक जरूर किया था। जो हो, राज्य सरकार और केन्द्र की उदासीनता व मामले को सम्हाल न पाने का दुष्परिणाम यह हुआ कि मणिपुर की हिंसा की आग से समीपवर्ती राज्य मिजोरम व असम के कुछ हिस्से भी झुलसने लग गये हैं। फिर भी भारतीय जनता पार्टी प्रणीत सरकारों के कानों पर जूं तक न रेंगी और भाजपा व उनके नेता कोई ठोस व रचनात्मक पहल करने की बजाय इन घटनाओं का कांग्रेस कनेक्शन ढूंढने में व्यस्त रहे। मणिपुर की हिंसा तथा वहां बड़े पैमाने पर हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन पर धीरे-धीरे बातें सामने आने लगीं। पता चला कि मणिपुर में हिंसा की छह हजार से अधिक घटनाएं हुई हैं और उसके मुकाबले गिरफ्तारियों की संख्या शर्मनाक रूप से काफी कम है जो राज्य सरकार की विफलता और हिंसा को रोकने की इच्छा शक्ति के अभाव को बतलाता है। राज्य व केन्द्र सरकारें चाहे मणिपुर की घटनाओं की गम्भीरता को लेकर संजीदा न रही हों परन्तु सुप्रीम कोर्ट को इसका आभास जरूर हो गया है। सोमवार को उसने जांच और कानून के शासन में लोगों का भरोसा लौटाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये। जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश शालिनी जोशी एवं दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस आशा मेनन अन्य सदस्य होंगी।

इन जजों की समिति को राहत शिविरों को भी देखने के लिये कहा गया है। उम्मीद है कि इससे लोगों का कानून के राज में विश्वास लौटेगा और उनकी हिम्मत बंधेगी। यौन प्रताड़ना के 11 मामले सीबीआई को सौंपने के निर्णय पर भी सर्वोच्च अदालत ने मुहर लगाई लेकिन यह भी निर्देश दिये हैं कि इसके लिये हिन्दी भाषी राज्यों से प्रतिनियुक्ति पर उप पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी लाए जायें जो जांच की निगरानी करेंगे। इसके साथ ही जिन मामलों को सीबीआई को नहीं सौंपा गया है उनकी जांच 42 विशेष जांच टीमें (एसआईटी) करेंगी। एक छोटे से राज्य में इतनी बड़ी संख्या में एसआईटी का गठन हिंसा की विभीषिका और दायरा बतलाने के लिये काफी है। दूसरी तरफ मणिपुर में हिंसा व उत्पीड़न रोकने में मिली विफलता के आधार पर ही लोकसभा में मोदी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मंगलवार को चर्चा शुरू हुई जो गुरुवार तक जारी रहेगी और उसका समापन प्रधानमंत्री मोदी के जवाब के साथ होगा। देखना तो यह है कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के अलावा मोदी मणिपुर की जनता को न्याय दिलाने के लिये किन उपायों की घोषणा करते हैं; या ऐसा तो नहीं कि वे अब तक के अपने ट्रैक रिकार्ड को कायम रखते हुए इस बेहद संवेदनशील मामले का भी राजनीतिकरण कर उन सभी को निराश करते हैं जो भाजपा की हिंसक व विभाजनकारी नीति के चलते पीड़ा झेल रही मणिपुर की अवाम की तरह ही व्यथित हैं।

बिल्किस बानो से राखी बंधवा लें मोदीजी

सर्वमित्रा सुरजन

हरियाणा में दंगों की आग भड़क गई थी और अब वहां कई जगहों पर मुस्लिमों का आर्थिक और सामाजिक बहिष्कार करने का ऐलान पोस्टरों के भाषणों के जरिए किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के अशोक नगर में ग्राम पंचायत धोरा के चार गांवों में सरपंच के कहने पर ईसाई और मुस्लिम व्यापारियों के प्रवेश को रोक दिया गया है। देश में चारों ओर असुरक्षा का माहौल बन रहा है, मोदीजी किस-किस को राखी बांधने और बंधवाने की सलाह देंगे। रक्षाबंधन में अभी काफी दिन हैं, अगर प्रधानमंत्री जी का कोई कार्यक्रम अब तक सुनिश्चित न हुआ हो कि वे इस बार देश के किस कोने में पहुंचकर, किस तबके की महिलाओं से राखी बंधवाने वाले हैं, तो उन्हें सलाह है कि इस बार वे अपने गृहराज्य चले जाएं। वहां बिल्किस बानो रहती हैं। श्री मोदी इस बार बिल्किस बानो से रक्षासूत्र बंधवा लें तो अमृतकाल का यह अमृत क्षण बन कर देश के इतिहास में सदा के लिए अमृत स्मृति बन जाएगा। बिल्किस बानो मुस्लिम महिला हैं, तो उनसे राखी बंधवाकर श्री मोदी अपने ही वचनों को सार्थक करेंगे। इस तरह मोदीजी, पर उपदेश कुशल बहुतेरे। जे आचरहिं ते नर न घनेरे की मिसाल भी अपने सांसदों के सामने पेश कर सकते हैं। हाल ही में दो बैठकों में उन्होंने भाजपा और एनडीए के नेताओं से मुस्लिम महिलाओं के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाने को कहा है, ताकि वे सुरक्षित महसूस कर सकें। तो इसकी शुरूआत उन्हें ही करना चाहिए। वैसे सवाल किया जा सकता है कि आखिर 9 सालों में मोदी सरकार ऐसा माहौल क्यों नहीं बना पाई कि मुस्लिम या किसी भी तबके की महिलाएं सुरक्षित महसूस कर सकें।

सवाल ये भी है कि महिलाओं को सुरक्षित महसूस करवाने के लिए उनसे राखी बंधवाने की क्या जरूरत। क्या मोदीजी भी राखी के त्योहार को केवल इसी नजरिए से देखते हैं कि भाई की कलाई पर रक्षासूत्र इसलिए बांधा जाता है ताकि वो बहन की हिफाजत कर सके। क्या महिलाएं अपनी हिफाजत खुद करने के काबिल नहीं हैं। अगर नहीं हैं, तो क्या उन्हें इस काबिल नहीं बनाया जाना चाहिए। मोदी सरकार जिस महिला सशक्तीकरण और नारी शक्ति की बात करती रही है, क्या वो केवल जुबानी और कागजी थीं, उनका हकीकत से कोई वास्ता नहीं था। खैर महिलाओं की रक्षा हो न हो, महिलाएं रोज प्रताड़ना का शिकार होती रहीं, फिर भी रक्षाबंधन का त्योहार तो जैसे सदियों से मनता आया है वैसे ही आगे भी चलता रहेगा। अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं और फिर अगले साल आम चुनाव हैं, जिसमें इस बार भाजपा को इंडिया से मुकाबला करना है, तो अब भाजपा इसके लिए नयी-नयी तिकड़में भिड़ाने में लगी है। इंडिया यानी 26 दलों के गठबंधन में एकता बनी रही और आगे कुछ और दल इसमें शामिल हो गए, तो फिर भाजपा का लोकसभा में 3 सौ पार का सपना धरा का धरा रह जाएगा। अब तो राहुल गांधी मानहानि की सजा से मुक्त हो चुके हैं, और संसद भी फिर से आ गए हैं। इससे मोदी सरकार की मुश्किलें और बढ़ेंगी, ये तय है।

संसद में भारत माता की तलाश

बजरंग दल में संघ का विकल्प तलाश रहे हैं मोदी?धन्यवाद प्रस्ताव के बहाने

यह वाकई दुखद है कि आजादी के बहुप्रचारित अमृत काल को पार करने के बाद भी देश और नागरिकों की सर्वोच्च प्रतिनिधि कही जाने वाली संसद असली 'भारत माता' को नहीं जानती। उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव के दौरान लोकसभा में हुई बहस से तो ऐसा ही महसूस होता है कि अब भी हमारे अधिकतर जन प्रतिनिधि इस बात से पूर्णतः अनभिज्ञ हैं कि आखिर भारत माता कौन है। यह सवाल तब उठा जिस समय कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कहा कि मणिपुर में 'भारत माता की हत्या हुई है।' मोदी और उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी के रिश्तों को लेकर बेबाकी से प्रश्न उठाने वाले राहुल मोदी सरकार और पूरी भारतीय जनता पार्टी की स्वाभाविकतः आंखों की किरकिरी बने हुए हैं। मोदी सरनेम पर कर्नाटक की एक चुनावी टिप्पणी को लेकर उन पर दर्ज मुकदमे पर सुनाई सजा के कारण मार्च में उनकी सांसदी निलम्बित हो गयी थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी सजा पर रोक लगा देने के बाद उनकी सदस्यता बहाल कर दी गयी थी। फलतः वे सोमवार से फिर लोकसभा में अपनी सीट पर नजर आये। इस बीच कांग्रेस समेत विपक्षी गठबन्धन इंडिया ने मोदी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है, जिस पर तीन दिवसीय बहस जारी है। अनुमानों के विपरीत राहुल ने प्रस्ताव पर पहले दिन यानी मंगलवार को न बोलकर अपना वक्तव्य बुधवार को दिया। अपेक्षा के मुताबिक उन्होंने वहीं से अपने भाषण की शुरूआत की जहां उन्होंने पिछली बार छोड़ा था; यानी गौतम अदानी को लेकर। उन्होंने उसमें मणिपुर को भी जोड़ा जो चर्चा का केन्द्रीय विषय है। साथ ही हरियाणा की हिंसा की बात भी छेड़ते हुए आरोप लगाया कि 'आप पूरे देश को जलाने में लगे हो।' शीर्ष अदालत में जीत दर्ज कराने और खोया शासकीय आवास फिर से पा लेने का विजयी भाव तो उनकी मुद्रा और व्यवहार में नजर नहीं आया परन्तु भाजपा की खीझ और अपराध भाव के दर्शन चर्चा के पहले दिन ही होने लग गये थे। बहस को असम के सांसद गौरव गोगोई की ओर से शानदार शुरूआत मिलने से और भी परेशान भाजपा की झुंझलाहट निशिकांत दुबे के बयान में देखने को मिली जब उन्होंने व्यक्तिगत छींटाकशी करते हुए कहा कि 'सोनिया गांधी यहां बेटे को सेट करने और दामाद को भेंट करने के लिये बैठी हैं।' इस घटिया टिप्पणी को शालीनता से दरकिनार करने वाली राहुल की मां का उल्लेख बुधवार को फिर से हुआ जब राहुल ने मणिपुर की भयावह स्थिति का वर्णन करते हुए इस बात का जिक्र किया कि 'मोदी उस हिंसाग्रस्त राज्य में नहीं गये क्योंकि वे मणिपुर को भारत का हिस्सा ही नहीं मानते।' भाजपा सरकार द्वारा वहां अपनाई गयी विभाजनकारी नीति की कड़ी आलोचना करते हुए राहुल ने कहा कि 'एक मेरी मां यहां बैठी हैं और दूसरी मां मणिपुर है जिसकी आप ने हत्या की है।' उन्होंने अपने भाषण में रामायण का संदर्भ देते हुए यह भी जोड़ा कि 'जैसे रावण केवल कुम्भकर्ण और मेघनाद की ही बात मानता था, वैसे ही मोदी केवल अमित शाह (केन्द्रीय गृह मंत्री) और अदानी की बात मानते हैं।' राहुल ने मोदी पर भारत माता की हत्या का आरोप लगाया, जो सांकेतिक अर्थ में था। अमेठी लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में उनकी प्रतिद्वंद्वी स्मृति ईरानी ने मौके को लपकते हुए इसे अपने भाषण का मुद्दा बना दिया।

उन्होंने कहा कि 'जब राहुल कह रहे थे कि भारत माता की हत्या की जा रही है तो कांग्रेसी तालियां पीट रहे थे।' सवाल यह है कि राहुल गांधी के लिये आखिर भारत माता कौन है और स्मृति ईरानी किसे भारत माता मानती हैं। राहुल के परनाना व देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अहमदनगर जेल में लिखी अपनी प्रसिद्ध किताब 'हिन्दुस्तान की कहानी' में बतलाया है कि 'कभी ऐसा भी होता है कि मैं किसी जलसे में पहुंचता हूं तो मेरा स्वागत 'भारत माता की जय!' के साथ होता है। मैं लोगों से अचानक पूछ बैठता हूं कि इस नारे का मतलब क्या है? यह भारत माता कौन है, जिसकी वे जय चाहते हैं?' आगे नेहरू लिखते हैं कि 'जब उन्हें जवाब नहीं सूझता तो मैं ही उन्हें बताता हूं कि हिन्दुस्तान की नदी, पहाड़, जंगल, खेत जो हमें अन्न देते हैं वे सारे हमें अजीज हैं लेकिन आखिरकार जिनकी गिनती है, वे हैं हिन्दुस्तान के लोग। उनके और मेरे जैसे लोग जो इस सारे देश में फैले हुए हैं। भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं और 'भारत माता की जय!' से मतलब हुआ इन लोगों की जय। मैं उन लोगों से कहता हूं कि तुम इस भारत माता के अंश हो, एक तरह से तुम ही भारत माता हो।'

असली मतांतर यही है कि राहुल लोगों में ही भारत माता को देखते हैं जबकि स्मृति ईरानी जिस विचारधारा की नुमाइंदगी करती हैं वह भारत माता को एक दैवीय स्वरूप में परिकल्पित कर जनता के भौतिक दायित्वों से मुक्त हो जाती हैं। जनता जनार्दन में भारत माता को देखने का अर्थ है उसकी जरूरतों को समझते हुए उसकी तरक्की व खुशहाली के प्रति दायित्वबोध और उसके सुख-दुख में शामिल होना। भारत माता को ईश्वरीय रूप देने का उद्देश्य उसके नाम से लोगों का भावनात्मक दोहन कर उसका सियासी लाभ लेना है। भारत में जारी विचारधाराओं के बीच जारी मौजूदा संघर्ष का यह महीन पहलू है जिसे स्मृति ईरानी को नहीं जनता को समझना होगा।

भाषा में भदेश हूं, पिछडा हुआ पाठा हूं

योगी सरकार के नाम पाठा की पाती-जो भी यहां आया, मुझे लूटकर गया

राजेन्द्र पाण्डेय

चित्रकूट। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चित्रकूट में विशेष कृपा बरस रही है। उनके आदेश पर जिले के जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द भी बखूबी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन मै मानिकपुर तहसील क्षेत्र हूं। बेहद पिछडा होना शायद मेरी तकदीर में लिखा है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या अवैध ढोका खनन, मिट्टी खनन समेत भूमि के मामले हों, हर क्षेत्र में लूट मची है। कोई भी जिम्मेदार अधिकारी आता है तो सिर्फ मेरा दोहन ही करता है।

मानिकपुर पाठा क्षेत्र भाषा में भदेश हूं, साफ-सपाट लहजे में कहता हूं। उप्र की नई बनी मानिकपुर तहसील सदियों से विकास की बाट जोह रहा हूं। इतना पिछडा हूं कि आजादी के बाद से इस उम्मीद में हूं कि कोई ऐसा अधिकारी यहां आये, जो लोगों के आंसू पोछ सके। अरसा पहले यहां एक एडीएम अरुण आर्या आये थे, उन्होंने मानिकपुर के लिए कुछ करने की सोची थी। उसके बाद से किसी ने मेरी तस्वीर व तकदीर बदलने की नहीं सोची। सबने अपना घर भरा है। इस बार योगी सरकार से मैने आस लगाई थी कि कोई ईमानदारी अधिकारी यहां आयेगा, लेकिन फिर दारुखोर और भ्रष्ट के आने से मेरी तकदीर की तस्वीर में धुंधलापन छा गया है। मेरे तमाम युवा पुत्र यहां से महानगरों को पलायन कर गये हैं, रोजी-रोटी की तलाश में।

पाठा के बतौर जानी जाने वाली मानिकपुर तहसील की तस्वीर का ये एक कडवा सच है। यहां सदियों से विकास के नाम पर सरकारी धन की लूट होती आ रही है। आज भी कूप निर्माण के नाम पर लूट जारी है।

ऐसा नहीं है कि लूट में जिम्मेदारों का हिस्सा न हो?

यहां विकास महज कागजों में होता आ रहा है। फाइलें दौडती-भागती रही हैं, लेकिन यहां आने वाले जिम्मेदारों के घर भरते रहे हैं। इसीलिए आज भी भाषा में भदेश हूं। मेरा पिछडापन दूर करने की किसी ने नहीं सोची। मेरे पिछडेपन के नाम पर लोगों ने अपने घर भरे हैं।

मजे की बात ये है कि मेरी उम्मीद फिर भी नहीं टूटी, क्योंकि पाठा में आजादी के बाद से वोट डालता आ रहा हूं। कभी कोई जिम्मेदार अधिकारी जनप्रतिनिधियों व दादुओं का गुलाम रहा है, वैसी ही तस्वीर आज भी देख रहा हूं। कोई अधिकारी तो डकैतों का कारिंदा रहा है तो कोई अपनी जाति के लिए काम कर रहा है। मेरा पिछडापन जस का तस है। योगी सरकार से भी मैने (पाठा) उम्मीदें की हैं, मै अब बुढा चला हूं। मेरे पुत्र व नाती-पोते भी महानगरों में रोजी-रोटी के जुगाड को चले गये है। अब मेरे तन-मन में वह दमखम नहीं रहा कि मै भाग-दौडकर अपनी रोटी का जुगाड कर सकूं। मेरी हालत दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। मुझे भी अपने पुत्रों-नाती-पोतों के साथ रहने की तीव्र अभिलाषा है, क्योंकि जीर्ण-शीर्ण हो चुके पाठा में विकास की किरन दूर-दर तक नजर नहीं आ रही। ऐसे में योगी सरकार के जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द से भी मुंझे कुछ उम्मीदें हैं, कल फिर मिलेंगे।

जिम्मेदार अधिकारी पस्त, कोचिंग संचालक मस्त

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर कस्बे में अवैध कोचिंग सेंटरों पर विभागीय जिम्मेदार अधिकारी मौन हैं। सबकुछ जानकर भी जिम्मेदार अनजान बने हैं।

शुक्रवार को कस्बे के अवैध दर्जनों कोचिंग सेन्टरों का खुलासा हुआ है। बताया गया कि दो दर्जन अवैध कोचिंग सेंटर चल रहे हैं। मानकों को ताक में रखकर कोचिंग सेन्टर क्षेत्र के छात्र-छात्राओं से हर महीने हजारों रुपए वसूल रहे हैं। बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे कोचिंग सेंटर चल रहे हैं, जिनके संचालनकर्ता खुद अयोग्य हैं। उनके पास कोई ऐसी डिग्री नहीं है कि बच्चों को शिक्षित कर योग्य बना सकें।

सवाल ये है कि जिम्मेदार अधिकारियों को इन अवैध कोचिंग सेन्टरों की बखूबी जानकारी है या फिर कोचिंग संचालक महीने में अधिकारियों को कुछ नजराना पेश करते हैं। जिसकी बदौलत ये अवैध कोचिंग सेन्टर चल रहे हैं। ऐसे अवैध कोचिंग संस्थानों पर कार्यवाही न होने पर क्षेत्र की जनता जल्द आन्दोलन को बाध्य होगी।

प्रधान-लेखपाल की मिलीभगत से अवैध ढंग से बन रही दुकानें , पीडित ने लगाई न्याय की गुहार

चित्रकूट। भरतकूप कस्बे में प्रधान व लेखपाल की मिलीभगत से निजी भूमि पर जबरन सरकारी भवन बनाया जा रहा है। पीडित ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर भवन गिरवाने व सरकारी धन का अपव्यय करने पर प्रधान से वसूली की मांग की है।

शुक्रवार को भरतकूप कस्बे के रजत प्रताप सिंह पुत्र स्व उदयभान सिंह आदि ने जिलाधिकारी को सौंपे पत्र में कहा कि अबकरपुर ग्राम पंचायत में सरकारी राशन की दुकान और जनसेवा केन्द्र के भवन का निर्माण हो रहा है। छह जुलाई को भूमि पूजन हुआ था। उन्होंने कहा कि जिस गाटा संख्या 817 में निर्माण हो रहा है, उसका रकबा 0.020 हेक्टेयर है। उसका आकार नक्शे के अनुसार त्रिभुजाकार है। जबकि निर्माण वगार्कार हो रहा है। जिसमें पीडित की भूमि गाटा संख्या 816 को भी अवैध ढंग से लेकर निर्माण किया जा रहा है।

पीडित ने निष्पक्ष ढंग से पैमाइश कराकर अपनी भूमि को खाली कराने की मांग की है। पीडित ने कहा कि ये भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग 35 से लगी हुई बेशकीमती भूमि है। ऐसे में अवैध कब्जा होने पर पीडित की भारी हकतलफी होगी। पीडित ने जिलाधिकारी से मांग की है कि उसके साथ हो रहे घोर अन्याय को तत्काल प्रभाव से रोका जाये और अवैध ढंग से उसकी जमीन पर निर्माण करा रहे प्रधान से सरकारी धन का अपव्यय करने की वसूली की जाये।

मुख्तार की बहू निखत को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

चित्रकूट। माफिया मुख्तार अंसारी की बहू और विधायक अब्बास अंसारी की पत्नी निखत बानो को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। वह 154 दिनों बाद जेल से बाहर आए।

शुक्रवार को जमानत देते हुए कोर्ट ने कहा कि निखत बानो का एक साल का बच्चा है। मानवीय आधार पर जमानत दी जा रही है। 11 फरवरी को निखत अंसारी बिना अनुमति के चित्रकूट जेल में बंद अब्बास अंसारी से मिलने गई थी। छापे के बाद उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जेल मिलन कांड के दो दिन बाद 12 फरवरी को एसपी वृंदा शुक्ला व डीएम अभिषेक आनन्द ने प्रेसवार्ता में खुलासा किया था। जेल अधिकारियों की मिलीभगत से वह जेल में पति से मिलती थी।

मारपीट के चार आरोपियों को दस-दस हजार का हुआ जुमार्ना , दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि से किया दंडित

चित्रकूट। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर जारी ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत न्यायालय में लम्बित वादों में पैरवी कर अपराधियों को सजा दिलाने को पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी नागेन्द्र कुमार नागर व पैरोकार अशोक यादव ने पैरवी कर चार आरोपियों को दस-दस हजार रुपये के जुमार्ना व दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि से दंडित किया।

शुक्रवार को जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्याम सुन्दर मिश्रा की प्रभावी बहस के नतीजतन न्यायालय जिला सत्र न्यायाधीश विष्णु कुमार शर्मा ने पहाड़ी थाने में दर्ज मामले के आरोपी ननकू पुत्र महाबली, चुनकन पुत्र महाबली, राजबहादुर पुत्र ननकू व राधेश्याम पुत्र चुनकन निवासी मछरिया पुरवा मजरा भंभौर दस-दस हजार रुपये के जुमार्ना व दो-दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि से दंडित किया।

उल्लेखनीय है कि 25 जून 2016 को शिवऔतार पुत्र रामगोपाल निवासी मछरिहा पुरवा मजरा भंभौर ने थाना पहाड़ी में सूचना दी थी कि उपरोक्त अभियुक्तों ने उसके पुत्र मट्टू प्रसाद के साथ मारपीट की थी। उसे गम्भीर चोटें आयी थी। सूचना पर थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। दरोगा ब्रह्मदेव यादव ने मामले की विवेचना कर 17 जनवरी 2017 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

हत्यारोपी युवती की जमानत खारिज, युवक की हत्या कर शव जमीन में गाडा था

चित्रकूट। युवक की हत्याकर शव को जमीन में खोद कर गाड़ देने के चर्चित मामले में मृतक की पूर्व प्रेमिका का जमानत प्रार्थना पत्र सत्र न्यायाधीश विष्णु कुमार शर्मा ने निरस्त कर दिया है।

शुक्रवार को जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्याम सुन्दर मिश्रा ने बताया कि बीती 21 फरवरी 2023 को बरवारा गांव के लखपत सिंह ने कर्वी कोतवाली में पुत्र निखिल के गायब होने पर गांव के कुछ लोगों पर संदेह की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचना दौरान सामने आया कि निखिल की हत्या कर शव जमीन में खोदकर गाड दिया गया था। हत्यारोपी सीमा देवी का प्रेम प्रसंग पहले मृतक के साथ था। बाद में हत्यारोपी कृपाशंकर उर्फ कमल पण्डित से होने से घटना अंजाम दी गई।

इस मामले में हत्यारोपी सीमा वर्मा के अधिवक्ता ने न्यायालय में जमानत प्रार्थना पत्र पेश किया था। बचाव और अभियोज पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को सत्र न्यायाधीश विष्णु कुमार शर्मा ने जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी

मानिकपुर/चित्रकूट। कर्वी कोतवाली के बघौडा गांव में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतका की शिनाख्त कराने के प्रयास किये।

अज्ञात महिला का शव मिलने की ये घटना शुक्रवार को हुई। बताया गया कि कर्वी कोतवाली के बघौडा गांव में एक अज्ञात महिला का शव मिला है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों से मृतका के शिनाख्त कराने के प्रयास किये। प्रयास के बाद भी मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी। मृतका के दाहिने हाथ में स्याही का निशान होने से अनुमान लगाया जा रहा है कि किसी ने उससे अंगूठा निशान लेने के बाद हत्या की है।

पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है। पुलिस महिला की शिनाख्त में जुटी है।

निमार्णाधीन इमारत का जल्द पूरा करें कार्य: एसपी

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला ने पुलिस लाइन में परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। परेड निरीक्षण दौरान उन्होंने परेड की गुणवत्ता देखी। सुधार को निर्देश दिये।

शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन मेस को देखकर भोजन गुणवत्ता में सुधार के निर्देश दिये। बैरक का निरीक्षण कर साफ-सफाई को प्रतिसार निरीक्षक को निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण कर निमार्णाधीन इमारत के ठेकेदार से वार्ताकर निर्माण कार्य जल्द सम्पन्न कराने को कहा। इस मौके पर सीओ लाइन शीतला प्रसाद पांडे, प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, दरोगा एपी रामदीन, सभी प्रभारी निरीक्षक एवं चैकी प्रभारी आदि मौजूद रहे।

भरतकूप-सरधुवा को बनायें ब्लाक, विस में गूंजा मुद्दा

सरकार से अन्तिम सांस तक जारी रहेगी लडाई: अनिल प्रधान

चित्रकूट। मानसून सत्र के पांचवे दिन सपा के सदर विधायक अनिल प्रधान ने भरतकूप और सरधुवा को ब्लॉक का दर्जा देने की मांग उठाई। सरकार से कहा कि भरतकूप और सरधुवा को ब्लॉक का दर्जा मिलने पर क्षेत्र के लोगों को कर्वी ब्लॉक तथा सरधुवा क्षेत्र के लोगों को पहाड़ी ब्लॉक जाने में 25-30 किमी की दूरी न तय करनी पड़ेगी। शुक्रवार को सदर विधायक अनिल प्रधान ने कहा कि जनता को ब्लॉक बनने से समस्याओं से निजात दिलाई जा सकती है। विधान सभा क्षेत्र के परिक्रमा मार्ग एवं रामघाट किनारे तमाम गरीबों के घर गिरा दिए गए हैं, अभी तक किसी को आवास व मुआवजा नहीं दिया गया। मकानों के दस्तावेज और न्यायालय का स्टे होने के बाद भी घर गिराये गये हैं। सदर विधायक अनिल प्रधान ने सदन से मांग किया कि जिले में जिन लोगों के घर जबरियां गिराये गये हैं, उन्हें सरकार मुआवजा दे। दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करे। सदन की कार्यवाही दौरान उन्होंने परिवहन निगम की खस्ताहाल बसों के रखरखाव को सरकार की कार्य योजना, महिलाओं को दिल्ली एवं कर्नाटक की भांति उत्तर प्रदेश में भी निःशुल्क बस सेवा देने, ग्रामीण क्षेत्रों में लोग मजबूरी में प्राइवेट बसों व डग्गामार वाहनों से यात्रा करते हैं। सपा सरकार में सभी मुख्य ग्रामीण मार्गों में लोहिया बसें चलती थीं। चित्रकूट में भी उनकी मांग पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लोहिया बसों का संचालन कराया था।

उन्होंने कहा कि सरकार उन मार्गों पर पुनः ग्रामीण बस सेवा शुरू करेगी। परिवहन विभाग में कई वर्षों से सेवा दे रहे चालक-परिचालक को स्थाई नियुक्ति दी जाये।

सदर विधायक अनिल प्रधान ने श्रम एवं सेवायोजन मंत्री से पूंछा कि सरकार प्रदेश के शिक्षित बेरोजगारों व महिलाओं को अब तक कितने लोगों को रोजगार दे चुकी है। मंत्री ने कहा कि सेवायोजन कार्यालयों में रोजगार मेले लगाये जा रहे हैं। रोजगार के इच्छुक लोगों को रोजगार के अवसर दिये जा रहे हैं, जबकि हकीकत में आज भी युवा रोजगार पाने को अन्य प्रदेशों में पलायन को मजबूर हैं। जीवनयापन को दर-दर भटक रहे हैं। याचिका में चित्रकूट के विकासखंड कर्वी के कोरारी भरतकूप में पहाड़ से अवैध पत्थर तोडने रोकवाने की मांग पेश की। सदन से कहा कि भरतकूप क्षेत्र में लगातार एनजीटी नियमों की अनदेखी कर अवैध ब्लास्टिंग हो रही है। संबंधित अधिकारियों से पत्राचार के बाद भी अवैध ब्लास्टिंग नहीं रोकी जा रही। सदन से मांग किया कि पर्यावरण क्षति रोकने को वहां के लोगों को गंभीर बीमारियों से बचाने को तत्काल प्रभाव से अवैध ब्लास्टिंग पर रोक लगायें।

उन्होंने कहा कि जिले की जनता की समस्याओं के निराकरण को उन्हें विधानसभा भेजा है। भरोसा दिया कि सदैव जनहित के मुद्दे प्रमुखता से सड़क से सदन तक उठाते रहेंगे। सरकार से अंतिम सांस तक लड़ाई जारी रहेगी।

गंगा समिति बैठक में मन्दाकिनी किनारे लगेंगे वृक्ष

डीएफओ ने सुझावों पर कार्यवाही का दिया भरोसा

चित्रकूट। जिलाधिकारी के निर्देश पर वन विभाग कर्वी के मयूर सभागार में जिला गंगा समिति की बैठक डीएफओ पीके त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मन्दाकिनी नदी किनारे वृक्षारोपण की रणनीति बनाई। तय किया कि मछली मारने वालों पर पुलिस कार्यवाही कराई जाये। 13 से 15 अगस्त के बीच कर्वी और रैपुरा रेंज में रंगोली प्रतियोगिता, हर घर तिरंगा, घाट-हाट और वाद-विवाद प्रतियोगितायें कराई जायेंगी।

शुक्रवार को डीएओ पीके त्रिपाठी ने गंगा समिति की बैठक का एजेंडा बिन्दुवार पढ़ा। मौजूद अधिकारियों से समीक्षा कर समिति के सदस्य समाजसेवी आशीष रघुवंशी ने बरेठी चेकडैम में फाटक लगवाने की मांग की। नदी किनारे पौधरोपण को पौधों की मांग की। समिति के सदस्य बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने कर्वी पुलघाट और राजाघाट में हवन पूजन सामग्री विसर्जन कुण्ड बनवाने, कर्वी के तीन मुक्तिधाम स्थलों किनारे सीमेंट की जाली युक्त पौधे लगवाने, कामदगिरि परिक्रमा मार्ग में जहां अतिक्रमण अभियान चला है, वहां जल्द पौधे लगवाने का प्रस्ताव रखा। मछली मारने वालों पर सीतापुर और कर्वी पुलिस से कार्यवाही की मांग की। सदस्य प्रधान बसिला संजय सिंह ने मन्दाकिनी नदी की सिल्ट सफाई खत्म करने का अनुरोध किया।

डीएफओ पीके त्रिपाठी ने बताया कि शासन के निर्देश पर 13 से 15 अगस्त तक गंगा समिति कर्वी और रैपुरा रेंज मे विभिन्न कार्यक्रम करेगी। 13 को रंगोली प्रतियोगिता, घाट पर हाट, नुक्कड़ नाटक और जनता के साथ बैठक होगी। 14 को स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान, गंगा शपथ और हस्ताक्षर अभियान चलेगा। 15 अगस्त को झंडारोहण, गंगा स्वच्छता संदेश रैली और तिरंगा यात्रा एक घाट से दूसरे घाट तक निकाली जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैठक में आये प्रस्ताव को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाये। बैठक में गैरहाजिर अधिकारियों पर सवाल खड़े हुए। तय हुआ कि बैठक में न आने वाले अधिकारियों की सूचना जिलाधिकारी को देकर कार्यवाही कराई जायेगी।

बैठक में पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, एसीएमओ संतोष कुमार, एई लोनिवि सुशील कुमार श्रीवास्तव, एसडीओ सिंचाई गुरु प्रसाद, रेंजर रैपुरा, उप क्षेत्रीय वनाधिकारी हरीशंकर सिंह, रामनरेश, सुरेंद्र कुमार, आशुतोष, समिति के सदस्य संतोष कुमार राजापुर व सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

प्राइवेट अस्पतालों के प्रसव की भी करें फीडिंग: डीएम, नीति आयोग के धनराशि की हुई बैठक

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने नीति आयोग से मिली धनराशि से हो रहे कार्यों एवं जून की प्रगति रिपोर्ट बाबत कहा कि नीति आयोग के पैरामीटर में धीरे-धीरे सुधार करना है, यही नीति आयोग का नियम है।

शुक्रवार को कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारी सुधार करें। एएनसी रजिस्टर बाबत एसीएमओ जतारिया को निर्देश दिये कि स्थिति खराब है। एन्टीफाइ कराकर सुधार करायें। जो डिलीवरी बाहर जाकर प्राइवेट हॉस्पिटल में होती हैं, उन्हें भी जोड़कर फीडिंग करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित विभाग तालमेल से पैरामीटर पर प्रगति करायें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने विभाग में वार्ता कर फीडिंग करायें। बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुधीर कुमार शर्मा, जिला विकास अधिकारी राजकुमार त्रिपाठी, एएओ मोहम्मद यूनुस खान, जिला विद्यालय निरीक्षक एसके मिश्रा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जतारिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार, अर्थ एवं संख्या अधिकारी राजदीप वर्मा, अपर संख्या अधिकारी बीएल यादव, उपकृषि निदेशक राजकुमार आदि मौजूद रहे।

परिवार परामर्श केन्द्र ने दम्पति को किया एक

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर सामाजिक रिश्तों को बचाने को हो रहे प्रयास में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र ने पारिवारिक विवाद को समाप्त कराकर बहू एवं ससुरालीजनों में सुलह कराकर परिवार को टूटने से बचाया।

शुक्रवार को कोतवाली कर्वी के बिहारा गांव की श्रीमती संगीता पत्नी रमेश प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे पत्र में कहा कि पति रमेश प्रसाद पुत्र नत्थू प्रसाद निवासी बिहारा आये दिन विवाद कर गाली-गलौज एवं मारपीट करते हैं। पुलिस अधीक्षक ने पत्र निस्तारण को प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र भेजा।

प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र निरीक्षक श्रीमती रीता सिंह ने शिकायतकर्ता की बातों को विस्तार से सुनकर दूसरे पक्ष को पुलिस कार्यालय बुलाया। दोनो पक्षों को भविष्य में विवाद न करने तथा पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करने समेत तालमेल से करने की सलाह दी। दोनो पक्षों ने दायित्यों को सही ढंग से पालन करने का भरोसा दिया। टीम में प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र निरीक्षक श्रीमती रीता सिंह, महिला सिपाही शिवांगनी श्रीवास्तव व सुरुचि चैधरी शामिल रही।

हर बच्चा हो निपुण: एबीएसए

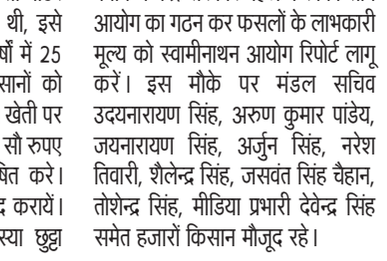

चित्रकूट। राज्य परियोजना कार्यालय ने प्रत्येक विद्यालय के निरीक्षण में निपुण भारत मिशन व बेसिक शिक्षा विभाग से संचालित लाभपरक योजनाओं के तहत कंपोजिट विद्यालय कछारपुरवा में खंड शिक्षा अधिकारी कर्वी रमेशचंद पटेल ने निरीक्षण किया। पटेल ने प्रत्येक कक्षा के बच्चों से बात की। गुणवत्ता जांची। शुक्रवार को एबीएसए रमेशचन्द्र पटेल ने कहा कि निपुण भारत मिशन के तहत बच्चों के शैक्षिक उत्थान को देश में हो रहे प्रयास मे सहयोग करें। बच्चों की गुणवत्ता परक शिक्षा में शिक्षकों की भूमिका, सामुदायिक सहयोग के बतौर विद्यालयों की सुरक्षा कायाकल्प हो रहा है। शिक्षकों से कहा कि प्रत्येक शिक्षक को निपुण लक्ष्य याद होना चाहिए, तभी वह निपुण लक्ष्य पा सकते हैं। खंड शिक्षा अधिकारी ने बेसिक शिक्षा से संचालित योजनाओं डीबीटी से भेजी जाने वाली धनराशि, सामग्री, मध्यान्ह भोजन, निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, बच्चों को खेल सामग्री देने को स्मार्ट क्लास देने व बेसिक शिक्षा विभाग से भविष्य में विद्यालयों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी।

किसानों ने ट्रैक्टर लेकर किया प्रदर्शन

अन्ना पशुओं का उठाया मुद्दा, एसडीएम-एएसपी ने लिया ज्ञापन

चित्रकूट। भाकियू जिलाध्यक्ष राम सिंह राही की अगुवाई में ट्रैक्टर रैली गल्लामंडी से सैकड़ों ट्रैक्टरों समेत हजारों की तादाद में किसानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रर्दशन कर एसडीएम व एएसपी को ज्ञापन सौंपा। जिले में अन्ना जानवरों की समस्या को लेकर बारह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

शुक्रवार को भाकियू जिलाध्यक्ष राम सिंह राही की अगुवाई में टैज्क्टर रैली में पहुंचे किसानों ने कलेक्टेज्ट में कहा कि 36 वर्षों से भाकियू खेत की पगडंडी से देश की राजधानी तक चमचमाती सड़कों पर मांगों को लेकर आन्दोलन करते रहे हैं। देश कोरोना महामारी से त्रस्त था, देश के सभी उद्योग धंधे से लेकर अन्य कार्य ठप हो चुके थे। उस दौर में भी देश के किसानों ने देश को निराश नहीं किया। कोरोना काल में जीडीपी 3.6 व दूसरे वर्ष में जीडीपी 3.9 दर्ज की गयी। किसानों ने देश अन्न उत्पादन किया। संकट के दौर से देश के बाहर निकालने पर खेती पर बढ़ता खर्च और फसल का वाजिब भाव न मिलने से किसान कर्ज में डूबता जा रहा है। किसान भूमि को बंधक कर बैंकों से ऋण ले रहा है। परिवार का पालन-पोषण भविष्य में चुनौती बन गया है। ज्ञापन में कहा कि उप्र

सरकार ने किसानों से सिंचाई को मुफ्त बिजली का वायदा किया था। बजट पेश करते हुए घोषणा की गयी कि किसानों को सिंचाई को मुफ्त बिजली दी जायेगी, नहीं दी गई। प्रदेश सरकार ने निजी नलकूपों में मीटर लगवाने की प्रक्रिया रोके। पूर्व में निजी नलकूप कनेक्शन पर तीन सौ मीटर विद्युत लाइन विभाग से मिलती थी, इसे दोबारा लागू किया जाए। चार वर्षों में 25 रुपये प्रति कुंतल बढ़ाकर किसानों को और गरीब बनाया गया। गन्ने की खेती पर बढ़ते खर्च पर प्रदेश सरकार पांच सौ रुपए प्रति कुन्तल गन्ने का भाव घोषित करे। किसानों के बकाये भुगतान जल्द करायें। प्रदेश में सबसे विकराल समस्या छुट्टा पशुओं की है। सरकार गांव की परती जमीनों पर पशुशालायें बनायें, ताकि किसानों को खेती समेत जान-माल की सुरक्षा हो सके। एमएसपी गारंटी कानून बनाने में केंद्र सरकार पहल करे। किसान आयोग का गठन कर फसलों के लाभकारी मूल्य को स्वामीनाथन आयोग रिपोर्ट लागू करें। इस मौके पर मंडल सचिव उदयनारायण सिंह, अरुण कुमार पांडेय, जयनारायण सिंह, अर्जुन सिंह, नरेश तिवारी, शैलेन्द्र सिंह, जसवंत सिंह चैहान, तोशेन्द्र सिंह, मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह समेत हजारों किसान मौजूद रहे।

तुर्किये में 5.3 तीव्रता का भूकंप, लोग घरों की बालकनी से कूदे, 23 घायल

अंकारा। तुर्किये के दक्षिणी क्षेत्र में में भूकंप के तेज झटकों से अफरातफरी मच गई। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.3 मापी गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भयभीत लोग घरों की बालकनी से

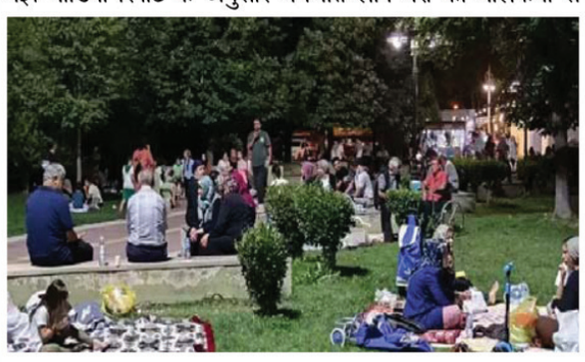

कूद गए। इस दौरान कम से कम 23 लोग घायल हो गए। कई इमारतें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप का केंद्र मालत्या प्रांत के येसिल्युर्ट शहर में था। अदियामान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि भूकंप का केंद्र येसिल्युर्ट में सात किलोमीटर (4.3 मील) की गहराई पर था। उल्लेखनीय है कि इन दोनों प्रांतों में फरवरी में आए विनाशकारी भूकंप में 50,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

तुर्किये के स्वास्थ्य मंत्री फहार्टिन कोका ने कहा है कि इमारतें क्षतिग्रस्त होने से भी लोग घायल हुए हैं। भूकंप से बचने के लिए लोगों ने इमारतों की बालकनी से छलांग दी। इसके कारण भी कुछ लोग घायल हुए हैं।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या के बाद इक्वाडोर में दो माह के लिए आपातकाल की घोषणा

क्वीटो। दक्षिण अमेरिका का लोकतांत्रिक गणराज्य इक्वाडोर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो की हत्या से हिल गया है। इसके बाद देश में आपातकाल की घोषणा की गई है। साथ

ही एफबीआई से हत्याकांड की जांच में मदद करने का आग्रह किया गया है। फिलहाल इस हत्याकांड के सिलसिले में छह कोलंबियाई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 59 वर्षीय पत्रकार और भ्रष्टाचार विरोधी योद्धा फर्नांडो विलाविसेंशियो की बुधवार रात राजधानी क्वीटो में एक रैली से बाहर निकलते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। फर्नांडो को भ्रष्टाचार की जांच की मांग करने के कारण पूर्व राष्ट्रपति राफेल कोरिया का सबसे कट्टर दुश्मन माना जाता था। राष्ट्रपति गुइलेर्मो लासो ने दो महीने के आपातकाल की घोषणा और तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है।

नेपाल में सोना तस्करी मामले में चीन के दो और नागरिक गिरफ्तार

काठमांडू। एक क्विंटल सोने की तस्करी मामले में केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने चीन के दो और नागरिकों को ली जियालिन और लु फुयान को गिरफ्तार किया है। इनको रात को दबोचा गया। यह नेपाल से चीन भागने के फिराक में थे। यह जानकारी सीआईबी ने दी। सीआईबी प्रवक्ता ने बताया कि हिमालय एयरलाइंस के विमान से काठमांडू से कुनमिंग के लिए इमीग्रेशन कराने पहुंचे इनके बारे में जानकारी मिलने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में अब तक चीन के पांच नागरिकों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बांग्लादेश के चटगांव में बाढ़ से तबाही, 16 लोगों की मौत, तीन लापता

ढाका। बांग्लादेश के चटगांव में बरसात, बाढ़ और भूस्खलन से पिछले एक सप्ताह में भारी तबाही हुई है। इस दौरान चटगांव में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। तीन व्यक्ति लापता हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जिला राहत एवं पुनर्वास कार्यालय ने कहा है कि घरों, फसलों और व्यवसाय को कुल 135.15 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। दक्षिणी जिले के चंदनाइश, सतकनिया और लोहागरा उप जिले बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

यह क्षेत्र सोमवार रात से तीन दिन तक जलमग्न रहा। चटगांव-कॉक्स बाजार राजमार्ग बंद रहा। गुरुवार सुबह राजमार्ग पर यातायात फिर से शुरू हो गया, लेकिन कई इलाकों में अभी तक बिजली बहाल नहीं की जा सकी है। रिपोर्ट्स में जिला राहत एवं पुनर्वास अधिकारी मोहम्मद

सैफुल्लाह मजूमदार के हवाले से कहा गया है कि गुरुवार तक 135.15 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। लापता कई लोगों के शव बुधवार को पानी कम होने के बाद सामने आए। गुरुवार रात तक चटगांव के पांच उप जिलों में कुल 16 लोग हताहत हुए। तीन अभी भी लापता हैं। बाढ़ से 6,35,000 लोग प्रभावित हुए हैं। पिछले सात दिन में चटगांव में 664 मिलीमीटर बारिश हुई।

चीन का युद्धपोत कोलंबो बंदरगाह में दो दिन से, आज होगा रवाना

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत के विरोध के बावजूद आखिरकार चीन के एक युद्धपोत को कोलंबो बंदरगाह पर रुकने की अनुमति दे दी। श्रीलंका की नौसेना ने घोषणा की है कि चीन का युद्धपोत द्वीप श्रीलंका की तीन दिवसीय औपचारिक यात्रा पर कोलंबो बंदरगाह पर रुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलंका की नौसेना ने कहा कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का युद्धपोत राजधानी पहुंचा। 129 मीटर लंबे जहाज पर 138 लोगों का दल है और इसकी कमान कमांडर जिन शिन के पास है। यह कोलंबो से शनिवार को रवाना होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल अगस्त में पास के जल क्षेत्र में चीनी पोत की मौजूदगी के बारे में भारत की सुरक्षा चिंताओं के बावजूद युआन वांग 5 हंबनटोटा

बंदरगाह पर रुका था। तब श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि सरकार दोस्ती, आपसी विश्वास और रचनात्मक बातचीत की भावना से मामले को सुलझाने की दृष्टि से संबंधित सभी पक्षों के साथ व्यापक परामर्श कर रही है।

अब रूस के कदम भी चांद की ओर, लूना-25 लॉन्च, इसरो ने दी बधाई

मॉस्को/नई दिल्ली। रूस ने करीब आधी सदी बाद फिर चंद्र मिशन शुरू किया है। रूस ने आज (शुक्रवार) सुबह 1976 के बाद पहली बार सोयुज-2 रॉकेट की मदद से लूना-25 मून लैंडर को लॉन्च किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस पर रूस की स्पेस एजेंसी रोस्कोस्मोस को बधाई दी है। मीडिया रिपोर्टेस के मुताबिक इसरो ने कहा है हमारी (भारत-रूस) अंतरिक्ष यात्राओं में एक और मिलन बिंदु होना अद्भुत है। भारत के चंद्रयान-3 और रूस के लूना-25 मिशन को अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए शुभकामनाएं। रिपोर्ट्स के अनुसार रूस का लूना-25 लैंडर चंद्रयान-3 की तरह 23 अगस्त को चांद की सतह पर लैंड करेगा। लून-25

लैंडर को राजधानी मॉस्को से 5550 किलोमीटर पूर्व में स्थित वोस्तोचनी कोस्मोड्रोम से स्थानीय समयानुसार, सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर लॉन्च किया गया। रूस के लूना-25 मिशन का लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर ऑक्सीजन की खोज और आंतरिक संरचना पर अनुसंधान करना है, जबकि भारत के चंद्रयान-3 का लक्ष्य चांद की सतह पर सुरक्षित और नरम लैंडिंग करना है। लूना-25 लैंडर में कई कैमरे इंस्टाल हैं। ये कैमरे लैंडिंग की टाइमलैप्स फुटेज और अद्भुत तस्वीरें खींचेगा। चंद्रयान-3 और लूना-25 की लैंडिंग अलग-अलग जगह पर होगी। दोनों एक-दूसरे से नहीं टकराएंगे। रोस्कोस्मोस का कहना है कि चांद पर सभी के लिए पर्याप्त जगह है। लूना-25 लैंडर चांद पर करीब एक साल तक काम करेगा, जबकि चंद्रयान-3 केवल दो हफ्ते तक ही काम करने के लिए डिजाइन किया गया है।

बांग्लादेश में छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में मदरसा शिक्षक को उम्रकैद की सजा

ढाका। चटगांव महिला और बाल दमन निवारण न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) तीन के न्यायाधीश जैनल आबेदीन ने नूरानी मदरसा के शिक्षक 28 वर्षीय अबू ताहेर शिपोन को दुष्कर्म के केस में आजीवन कारावास सुनाई है। साथ 10,000 टका का जुर्माना लगाया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फैसले के वक्त दोषी जैनल न्यायाधिकरण में मौजूद था। उस पर पहली कक्षा में पढ़ने वाली सात साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप था। ट्रिब्यूनल के विशेष लोक अभियोजक जिको बरुआ ने फैसले की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि यह वारदात सैंडविप के मगधरा संघ में एक नूरानी मदरसे में 9 जून, 2021 को हुई थी।

सिख कर्मी को पुलिस ने दाढ़ी रखने से रोका था, भारतीय दूतावास ने बाइडन सरकार के सामने जताई नाराजगी

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक सिख पुलिसकर्मी को दाढ़ी रखने से रोकने पर विवाद हो गया है। जिस पर वॉशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने आपत्ति जताई है। अमेरिका के सांसदों ने भी इस घटना पर चिंता जाहिर की है और इसे धार्मिक भेदभाव करार दिया है। बता दें कि न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के कर्मी चरणजोत तिवाना ने बीते साल मार्च में अपनी शादी के लिए दाढ़ी बढ़ाने की मांग की थी। हालांकि विभाग ने उसकी इस मांग को यह कहकर खारिज कर दिया था कि दाढ़ी बढ़ाने से गैस मास्क लगाने के दौरान उसकी सुरक्षा से समझौता हो सकता है।

इस पर भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने इस मामले को न्यूयॉर्क स्टेट गवर्नर के सामने उठाया। वहीं भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने इस मामले को बाइडन सरकार के शीर्ष स्तर के अधिकारियों के सामने उठाया है। मामला बढ़ने पर न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस और गवर्नर ऑफिस ने बयान जारी कर कहा कि वह इस मामले पर काम कर रहे हैं। वहीं न्यूयॉर्क असेंबली के सदस्य डेविड वेप्रिन ने पुलिस विभाग द्वारा चरणजीत तिवाना की मांग ना माने जाने पर चिंता जाहिर की और इसे धार्मिक भेदभाव करार दिया।

बेलारूस की सीमा पर दस हजार सैनिक तैनात करेगा पोलैंड

वारसॉ। पोलैंड ने बेलारूस के साथ अपनी सीमा पर 10,000 सैनिक तैनात करने की योजना बनाई है। पोलैंड के रक्षा मंत्री मारियस ब्लास्ज़क ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वारसॉ को बेलारूस में मौजूद रूस से संबंधित घुसपैठियों की मौजूदगी और बिना अनुमति के सीमा पार करने की कोशिश करने वाले प्रवासियों को लेकर चिंता है।

पोलैंड की सेना ने कहा कि वह बेलारूस की सीमा के पास एक मिसाइल के लापता हुए फ्यूज की तलाश कर रही है, लेकिन इससे कोई खतरा नहीं है। सेना ने कहा कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग करते हुए की गयी गतिविधियों के दौरान फ्यूज खो गया था।

पोलैंड की सेना ने एक बयान में कहा, ''मंगलवार को लड़ाकू उड़ानें समाप्त होने के बाद सीमा क्षेत्र में गश्त कर रहे हेलीकॉप्टरों की मिसाइलों में से एक में फ़्यूज नहीं पाया गया। इन उड़ानों का संचालन अपनी सीमा के भीतर ही किया गया था।''

रक्षा मंत्री मारियस ब्लास्ज़क ने कहा कि अंततः 10,000 सैनिकों को सीमा क्षेत्र में तैनात किया जाएगा। उन्होंने सरकारी रेडियो पर दिए गए एक साक्षात्कार में यह घोषणा की। इससे एक दिन पहले एक अधिकारी ने कहा था कि पोलैंड अगले दो हफ्तों के भीतर सीमा पर 2,000 अतिरिक्त सैनिक भेजेगा। पोलैंड का कहना है कि पुलिस और सीमा रक्षक अधिकारियों के काम को सुदृढ़ करने के लिए इन सैनिकों को तैनात किया जा रहा है। गौरतलब है कि पोलैंड पिछले दो वर्षों से बेलारूस के जरिए सीमा से अवैध रूप से देश में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे प्रवासियों की समस्या से जूझ रहा है।

शहबाज का दावा, नवाज शरीफ की अगले माह होगी घरवापसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के निवर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि उनके बड़े भाई पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ अगले माह स्वदेश लौटेंगे। नवंबर 2019 में इलाज के लिए लंदन चले गए थे। तब से वह वहीं रह रहे हैं। 2016 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नवाज ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया

था। इसके बाद राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने पनामा पेपर्स लीक मामले में उन्हें दोषी ठहराया। दोष सिद्धि के विरुद्ध उनकी अपील फिलहाल संबंधित अदालत में लंबित है। शहबाज ने उम्मीद जताई कि उनकी पार्टी अगला आम चुनाव जीतेगी और वह नवाज के नेतृत्व वाली सरकार के तहत पार्टी के एक कार्यकर्ता के रूप में काम करेंगे। उनका बयान ऐसे समय पर आया है जब 9 अगस्त को नेशनल असेंबली के समय से पहले भंग होने के साथ ही कार्यवाहक सेटअप की नियुक्ति की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो चुकी है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

जापान के होक्काइडो में भूकंप, एबिनो मियाजाकी प्रांत में भारी बरसात

टोक्यो। जापान के होक्काइडो में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। यह जानकारी जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने आज दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भूकंप का केंद्र पृथ्वी की सतह से 46 किलोमीटर (28.58 मील) नीचे था। जीएफजेड ने कहा है कि अधिक विवरण की प्रतीक्षा है। इसके अलावा मौसम एजेंसी के अनुसार, जापान के दक्षिण-पश्चिमी और पश्चिमी क्षेत्रों में तूफान खानुन की वजह से भारी बारिश हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके बाद यह तूफान जापान से आगे बढ़ गया। तूफान से एबिनो मियाजाकी प्रांत में काफी तबाही हुई है। सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं।

तूफान की गति धीमी होने के कारण शिकोकू और क्यूशू द्वीपों पर रात भर बरसात हुई। इन क्षेत्रों में महीने की शुरुआत से अब तक लगभग 1,000 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है।

अमेरिका के हवाई द्वीप के जंगल में आग से अब तक 53 की मौत

होनोलूलू। अमेरिका के प्रशांत महासागर के मध्य स्थित हवाई प्रांत के द्वीपों के जंगल में लगी आग में अब तक कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई। माउई काउंटी के अनुसार, राहत एवं बचाव कार्य जारी है। इसी बीच लाहिना में लगी भीषण आग में 17 और लोगों की मृत्यु होने से मौत का आंकड़ा बढ़कर 53 हो गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जंगल में लगी भीषण आग की वजह से माउई द्वीप से 14,000 से अधिक लोगों को अन्यत्र भेजा जा चुका है। गुरुवार देररात तक अतिरिक्त 14,500 लोगों को शिफ्ट किए जाने की संभावना है।

माउई काउंटी ने लाहिना क्षेत्र में आग पर तकरीबन 80 फीसदी तक काबू पाया जा चुका है। लाहैना में बिजली ठप है और माउई में लगभग 11 हजार लोग अंधेरे में गुजर बसर कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हवाई में लगी आग को एक बड़ी आपदा घोषित किया। प्रभावित क्षेत्रों में राज्य और स्थानीय स्तर पर संघीय सहायता का आदेश दिया है।